संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 82
पृष्ठ 8
मंगलवार
09 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- केमिकल वाले केले की पहचान....

विचार- निर्वाचन की विश्वसनीयता कायम ...

खेल- शुभमन गिल की वजह से संजू सैमसन...

आजादी का प्रेरणास्रोत रहा वंदे मातरम् आजाद भारत का भी है विजन : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों का मंत्र बने 'वंदे मातरम्' गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी और पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। श्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए थे। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का एक ऐसा कालखंड रहा है जिसमें इतिहास के कई प्रेरक उदाहरण

देश के सामने मौजूद है। वंदे मातरम् के जब सौ साल पूरे हो गये थे तो उस समय इसकी शताब्दी का उत्तम पर्व मनाया जाना था लेकिन तब देश को आपातकाल में धकेल दिया गया था और देश के नागरिकों का गला घोंटा जा रहा था। देश की आजादी के आंदोलन को ऊजा देने वाले वंदे मातरम् के सौ साल पूरे होने के समय देश को आपाताकाल के काले कालखंड में धकेल दिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे है और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। वंदे मातरम् की भावना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस गीत के भाव में आजादी के दीवाने देश के लिए प्राण न्यौछावर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था जब अंग्रेज सल्तनत 1857 की क्रांति से बौखलाई थी और देश की महान विभूतियों को मजबूर किया जा रहा था। जब चारों तरफ वंदे मातरम् की आवाज गूंज रही थी, देश को गुलाम बनाए रखने के लिए बड़ा षडयंत्र चल रहा था तो उस स्थिति को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय चुनौती दे रहे थे। उन्होंने 1882 में 'आनंदमठ' उपन्यास की रचना की तो देश में आजादी की अलख जगा रहा वंदे मातरम् गीत इसमें रखा गया। देश के लोगों में जो भाव था, जो संस्कृति थी उसे वंदे मातरम् गीत के जरिए देश को बहुत बड़ी सौगात दी गई। वंदे मातरम् केवल आजादी की लड़ाई का मंत्र नहीं था, मात्र अंग्रेजों को भगाने का मंत्र नहीं था बल्कि यह इस भूमि को बेड़ियों से मुक्ति दिलाने की एक पवित्र जंग भी थी। प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् देश की प्राचीन पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक परंपरा का आधुनिक अवतार है। बंकिमदा ने जब वंदे मातरम् की रचना की थी तो यह गीत स्वाभाविक रूप से आजादी की लड़ाई का स्वर बना और पूरे देश के आजादी के योद्धाओं को मुग्ध करने का मंत्र बन गया। वंदे मातरम् हजारों वर्ष की सांस्कृतिक ऊर्जा थी, इसमें आजादी का जज्बा भी था और आजाद भारत की दृष्टि भी थी। इस गीत के हर शब्द देशवासियों को हौसला देने वाले थे। उसमें संदेश दिया गया था कि लड़ाई जमीन हथियाने की नहीं और सिर्फ आजादी पाने की नहीं है बल्कि यह देश की समृद्धि का भी संकल्प है। इस गीत का सिर्फ जन जन से जुड़ाव नहीं रहा है बल्कि यह गीत हमारी आजादी की लंबी गाथा की अभिव्यक्ति भी है। श्री मोदी ने कहा, वंदे मातरम् जनजीवन की धारा प्रवाह यात्रा का नाम है और इस गीत के सामने आने के बाद से अंग्रेज समझ गये थे कि अब भारत में रहना आसान नहीं है इसलिए उन्होंने देश को टुकड़ों में बांटने की चाल चली और श्बांटो तथा राज करोश की नीति को चुना। बंगाल के विभाजन को इसकी प्रयोगशाला बनाया गया। बंगाल की बौद्धिक शक्ति तब पूरे देश को ताकत देती थी। बंगाल पूरे देश को प्रभावित करता था। अंग्रेजों का मानना था कि अगर बंगाल को तोड़ दिया तो देश में आसानी से राज किया जा सकता है और 1905 में उन्होंने बंगाल विभाजन का पाप किया तो वंदे मातरम् बंगाल की एकता के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहा। गली गली में इस गीत की गूंज सुनाई दे रही थी। वंदे मातरम् देश के लिए चट्टान और अंग्रेजों के लिए संकट बन गया था। उन्होंने कहा कि अंग्रेज समझ गये थे कि बंगाल से निकला वंदे मातरम् का भाव पूरे देश में जिस भाव के साथ फैल गया है उससे देश में आजादी के वेग को रोकना आसान नहीं है इसलिए उन्होंने वंदे मातरम् बोलने पर भी सजा का प्रावधान कर दिया। इस गीत को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया। इसके बावजूद वंदे मातरम् गीत गाते हुए प्रभात फेरियां बंगाल की गली गली में निकलती थी और बंगाल की गलियों से निकली यह आवाज पूरे देश की आवाज बन गई थी। छोटे छोटे बच्चों को वंदे मातरम् गाने पर उनके साथ जुल्म किया गया। बच्चों ने वंदे मातरम् मंत्र को अपनी ताकत सिद्ध कर दिया था। जांबाज वंदे मातरम् जय घोष के साथ फांसी पर चढ़ गये।

वंदे मातरम भारत की आत्मा का हिस्सा, बंगाल चुनाव की वजह से आज बहस

लोकसभा में बोलीं कांग्रेस प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस पर अपना भाषण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रगीत भारत की आत्मा का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के कारण इस मुद्दे को बहस के लिए लाने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम ने भारतीयों को एकजुट किया। भाजपा सर से पहले राष्ट्रगीत पर बहस चाहती थी। यह लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। सरकार वंदे मातरम पर बहस चाहती थी क्योंकि बंगाल में चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। प्रियंका ने कहा कि आज सदन में 'वंदे मातरम्' पर बहस की दो वजहें हैं। पहला बंगाल में चुनाव आने वाला है। ऐसे में हमारे प्रधानमंत्री महोदय अपनी भूमिका बनाना चाहते हैं। दूसरा जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, देश के लिए कुर्बानियां दीं, ये सरकार उन पर नए आरोप लादने का मौका चाहती है। ऐसा कर मोदी

सरकार देश का ध्यान जनता के जरूरी मुद्दों से भटकाना चाहती है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने पीएम मोदी के वंदे मातरम भाषण पर कहा क क्या 150 साल बाद वंदे मातरम पर बहस की ज़रूरत थी? देश को आज़ाद हुए 75 साल हो गए हैं; न तो उन्होंने और न ही जनसंघ ने कभी इस मुद्दे को उठाया।

यौन उत्पीड़न मामले में मलयालम एक्टर दिलीप बरी, एर्नाकुलम कोर्ट ने सुनाया फैसला

केरल, एजेंसी। केरल की एक अदालत ने सोमवार को मलयालम अभिनेता दिलीप को 2017 के अभिनेता हमला मामले में निर्दोष पाया। अभियोजन पक्ष कथित आपराधिक साजिश में उनकी भूमिका साबित करने में विफल रहा। हालांकि, अदालत ने छह अन्य आरोपियों को आपराधिक साजिश, गलत तरीके से बंधक बनाने, शील भंग करने के लिए हमला, अपहरण, निर्वस्त्र करने का प्रयास और सामूहिक बलात्कार का दोषी ठहराया। एर्नाकुलम जिला एवं प्रधान सत्र न्यायाधीश हनी एम वर्गीस ने सुबह 11 बजे फैसला सुनाया। फैसले के बाद, अभिनेता दिलीप ने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने पिछले नौ वर्षों में उनका समर्थन किया और आरोप लगाया कि उनके खिलाफ मामला एक आपराधिक साजिश से उपजा है, जिसकी ओर सबसे पहले उनकी पूर्व पत्नी, अभिनेता मंजू वारियर ने इशारा किया था। उन्होंने दावा किया कि बाद में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और एक टीम ने साजिश को "लागू" किया, मुख्य आरोपी और उसके सहयोगियों का उपयोग करके एक झूठी कहानी गढ़ी और इसे फैलाने के लिए मीडिया और सामाजिक प्लेटफार्मों का इस्तेमाल किया, उन्होंने कहा कि कथित प्रयास का उद्देश्य उनकी छवि और जीवन को नष्ट करना था, लेकिन अदालत में विफल रहा। उन्होंने मुख्य अभियुक्त और उसके जेल साथियों के साथ मिलकर मेरे खिलाफ एक झूठी कहानी गढ़ी। उन्होंने कुछ मीडियाकर्मियों के साथ मिलकर इस झूठी कहानी को सोशल मीडिया पर फैलाया। लेकिन अदालत में यह झूठी कहानी धरी की धरी रह गई। असली साज़िश मेरे खिलाफ थी। इन लगभग नौ सालों में, समाज में मेरी छवि और मेरा जीवन ही बर्बाद हो गया।

जयपुर उच्च न्यायालय भवन में बम की अफ़वाह से अफरा-तफरी

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय भवन में सोमवार को बम होने की सूचना से न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस बल और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुँचकर पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। हालांकि प्रारंभिक जाँच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई, और पुलिस ने इसे अफवाह बताते हुए कहा कि फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि गलत सूचना किसने दी और इसके पीछे क्या मकसद था। इससे उच्च न्यायालय परिसर में मौजूद वकीलों, कर्मचारियों और मुवक्किलों में अचानक अफरा–तफरी का माहौल बन गया। इसके चलते अदालतों में कामकाज काफी समय के लिये स्थगित रहा। इससे पहले पांच दिसम्बर को भी जयपुर में इसी तरह की बम अफ़वाह ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया था, जिसके चलते पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को पूरे परिसर की तलाशी लेनी पड़ी थी। लगातार दूसरी बार ऐसी घटना होने से सुरक्षा एजेंसियाँ सतर्क हो गई हैं। उधर पुलिस ने कहा है कि इस तरह की फर्जी सूचनाएँ न केवल सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करती हैं बल्कि आम नागरिकों में भय का माहौल पैदा करती हैं। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उच्च न्यायालय के वकीलों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को भी ऐसी ही घटना हुई थी। आज पूर्वाह्न 11 बजे फिर बम की धमकी की सूचना मिली। उच्च न्यायालय में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सुनवाई होनी थी। वकीलों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है।इस तरह की अफवाहें प्रशासन और पुलिस के लिए एक चुनौती है। अगर ऐसा रोज होता रहा तो न्यायालय का काम पूरी तरह से ठप हो जाएगा। जिन मुद्दों पर मुश्किल से सुनवाई की तारीख मिलती है, वे और भी लंबित हो जाएंगे।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं फरियादें,

जिलों के अधिकारियों को पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

जनता दर्शन में 50 से अधिक पीड़ित अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों से मुलाकात की। सीएम ने एक–एक पीड़ित का प्रार्थना पत्र लेकर उनकी समस्याओं को सुना और तत्काल निस्तारण का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान जिलों में ही हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अफसर जिम्मेदारी के साथ काम करें। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपदों में तैनात पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिकता से किया जाए। पुलिस से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोच्च होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी और एसपी हर शिकायत की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें और कार्रवाई में किसी भी तरह की ढिलाई न हो। सोमवार के जनता दर्शन में 50 से अधिक पीड़ित अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें जमीनी विवाद, राजस्व मामलों और पुलिस से संबंधित कई प्रकरण शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने हर फरियादी से मिलकर उनकी बात सुनी और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि शिकायतों की गंभीरता को समझते हुए समयबद्ध और न्यायपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान कुछ पीड़ितों ने अतिरिक्त आर्थिक सहायता की मांग रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आश्वस्त किया कि राज्य सरकार हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इलाज और आपात स्थितियों में सरकार नियमित रूप से सहायता प्रदान कर रही है। पीड़ितों को निर्देश दिया गया कि वे अपना चिकित्सकीय एस्टिमेट उपलब्ध कराएं, सरकार उनकी मदद करेगी।

सरकार चाय बागानों में काम करने वाली महिला कामगारों के कल्याण के प्रति गंभीर : मांडविया

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सोमवार को कहा कि नयी लागू श्रम संहिताओं के माध्यम से बागान मजदूरों खासकर चाय बागानों में काम करने वाली महिला श्रमिकों के कल्याण के कई प्रावधान किये गये हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने लोक सभा में प्रश्न काल के दौरान कांग्रेस के गौरव गोगोई के सवाल के जवाब में कहा कि इन श्रमिकों के न्यूनतम वेतन, मातृ अवकाश, स्वास्थ्य सुविधा, बेहतर शौचालय, बच्चों के लिए पालना घर, उत्पीड़न से बचाव आदि के व्यापक एवं समुचित प्रावधान 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताओं में किये गये हैं। श्री मांडविया ने कहा कि बागान मालिकों, यूनियन और सरकार के बीच होने वाली वार्ताओं में महिला श्रमिकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के भी प्रावधान किये गये हैं। महिला श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार गंभीर है और उनके कल्याण के लिए जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं।

वो जिन्ना के चश्मे से वंदे मातरम को देखते हैं, संसद में बहस के दौरान राजनाथ सिंह का कांग्रेस पर अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में विशेष चर्चा को संबोधित किया और कहा कि राष्ट्रगान राष्ट्र की धड़कन और दुनिया भर में एक मंत्र बन गया है। लोकसभा में संसद के शीतकालीन सत्र में बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि 1906 में भारत का पहला झंडा बनाया गया था, और उस झंडे के केंद्र में वंदे मातरम लिखा गया था, जिसे पहली बार बंगाल में फहराया गया था। अगस्त 1906 में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए वंदे मातरम नामक एक समाचार पत्र भी शुरू किया गया था। यह वह समय था जब वंदे मातरम केवल एक शब्द नहीं था, यह एक भावना, प्रेरणा का स्रोत और एक कविता थी। राजनाथ ने कहा कि वंदे मातरम अपने आप में पूर्ण है और इसे अपूर्ण बनाने के कई प्रयास किए गए। वंदे मातरम को उसका गौरव लौटाना समय की मांग है। राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा आज़ादी के बाद वंदे मातरम को हाशिए पर रखा गया और उसे वह न्याय नहीं मिला जिसका वह हक़दार था। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि वंदे मातरम सिर्फ़ बंगाल तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका इस्तेमाल पूर्व से पश्चिम तक होता था, और सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी लोग इसका जाप करते थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सभी लोग वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाएँगे और इसे वह दर्जा देंगे जिसका यह हकदार है। उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों को अखंड भारत से समस्या थी या जो उससे डरते थे, उन्होंने राष्ट्रगीत के बाकी छंदों पर आपत्ति जताई। मेरा बस यही सवाल है कि कांग्रेस ने ऐसे लोगों का समर्थन क्यों किया?

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन महिला विशेषांक का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज । शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित काव्य गोष्ठी एवं महिला विशेषांक का लोकार्पण गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच के अध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि रचना सक्सेना। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रचना सक्सेना द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, आशा जाखड़, अर्चना झा अन्नु, रेणुका पटेल, साधना खरे, संतोष मिश्रा, डा.कुमकुम शुक्ला, विभा श्रीवास्तव, स्वाति मौलिश्री, श्रद्धा श्रीवास्तव, रंजना बिनानी, अंजू भारती, पुष्पा सिंह। सभी रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

कोर्ट के आदेश पर स्कूल का संचालन बंद

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में कोर्ट के आदेश के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने राजेंद्र प्राथमिक विद्यालय, बिहका पूरामुफ्ती का संचालन बंद करने का आदेश दिया है। आईजीआरएस

के माध्यम से सोमेश्वर दत्त पाठक ने इसकी शिकायत भी की थी। तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह ने इसकी जांच कराई तो तमाम खामियां मिली। पाया गया कि इस स्कूल में बिना मान्यता के ही नर्सरी की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। इसके विद्यालय में जो 12 शिक्षक हैं वह अप्रशिक्षित हैं। कुछ कमरों में एक साथ 2–2 कक्षाएं संचालित की जा रही थी। इसके अलावा तमाम लापरवाही मिली। इसके बाद विद्यालय का संचालन बंद किए जाने का आदेश भी दिया गया। इस आदेश के बाद भी स्कूल का संचालन चल रहा था। इसके बाद 2 दिसंबर को भगवतपुर के खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य को फिर से नोटिस जारी किया है। इसमें यह कहा गया है कि स्कूल का संचालन बंद किए जाने के आदेश के बावजूद स्कूल का संचालन किया जा रहा है। अंतिम चेतावनी देते हुए कहा गया है कि स्कूल के छात्र–छात्राओं को नजदीकी परिषदीय या मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नामांकित कराया जाए और तत्काल स्कूल का संचालन बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद यदि स्कूल का संचालन पाया गया तो कानूनी कार्रवाई होगी।

माघ मेला में पहली बार कुंभ जैसा सिक्योरिटी मॉडल

प्रयागराज (संवाददाता)। महाकुंभ के बाद इस बार माघ मेला 2026 को भी उसी स्तर की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था के तहत आयोजित करने की तैयारी है। अधिकारियों के अनुसार इस बार माघ मेले में सुरक्षा और क्राउड मैनेजमेंट पूरी तरह कुंभ मॉडल पर आधारित होगा। पिछले माघ मेले की तुलना में 30 फीसदी ज्यादा फोर्स इस बार

मेले में कुल 10,000 सुरक्षा बल लगाया जा रहा है। यह पिछले माघ मेले से करीब 30: ज्यादा है। यह माघ मेला इतिहास में पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षा बल मैदान में उतारे जा रहे हैं। इसमें पुलिस के साथ ही फायर, पैरामिलिट्री फोर्स, फ्लड रिलीफ टीमें, एनडीआरएफ–एसडीआरएफ समेत अन्य बल शामिल हैं। बात करें तो महाकुंभ में 42,000 जवानों की तैनाती हुई थी। अब उसी प्रणाली को छोटे पैमाने पर माघ मेले में दोहराया जा रहा है।

प्रयागराज में साइबर ठगी, खाते से 66 हजार उड़ाए

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। कटहुला गौसपुर निवासी शिवपूजन पाल के एसबीआई खाते से साइबर अपराधियों ने

66,500 रुपए की धोखाधड़ी की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवपूजन पाल ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 1 नवंबर को उनके एसबीआई झलवा शाखा के बचत खाते से यह राशि ऑनलाइन माध्यम से निकाल ली गई। ठगी की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई थी। पीड़ित के अनुसार, ठगी गई रकम में से 28,214.61 रुपए को फिलहाल होल्ड कर लिया गया है। हालांकि, शेष राशि की रिकवरी और मामले की विस्तृत जांच अभी लंबित है। शिवपूजन पाल ने पुलिस से पूरी राशि बरामद करने और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उनकी तहरीर के आधार पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

घूरपुर में बुजुर्ग हाइटेंशन टावर पर चढ़ा, हड़कंप

प्रयागराज (संवाददाता)। सोमवार शाम घूरपुर के बीकर गांव में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग अपनी मांगों को मनवाने के लिए हाइटेंशन टावर पर चढ़ गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। लगभग दो घंटे की मान–मनौवल के बाद वह टावर से नीचे उतरा। बुजुर्ग की इस अचानक हरकत से पुलिस, परिजन और स्थानीय लोगों में खलबली मच गई। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और एहतियातन फायर ब्रिगेड वाहन तथा एम्बुलेंस भी बुला ली गई। टावर पर चढ़ने वाले बुजुर्ग की पहचान माता प्रसाद निषाद के रूप में हुई है। उन्होंने पुलिस के सामने अपनी मांगें रखीं। माता प्रसाद ने यमुना नदी में नावों द्वारा बालू खनन की अनुमति देने और बिजली सिंचाई नाली की उचित व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने बेरोजगारी से तंग आने की बात भी कही। घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बुजुर्ग से बातचीत की और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। पुलिस के इस आश्वासन के बाद माता प्रसाद निषाद टावर से नीचे उतर गए और अपने घर चले गए।

कथावाचक ने बताया–श्रद्धा–भक्ति से मिलता है परमात्मा का साक्षात्कार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मेजा स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन सोमवार को भक्तिमय वातावरण रहा। कथावाचक जगतगुरु स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज ने कहा कि परमात्मा का साक्षात्कार केवल सच्ची श्रद्धा और भक्ति से ही संभव है। महाराज ने सृष्टि वर्णन, कपिलोपाख्यान, ध्रुव चरित्र और पुरजनोपाख्यान का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है, जब वह अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और मोह से मुक्त होकर सच्चे भाव से भगवान की शरण ग्रहण करता है। ध्रुव चरित्र का उदाहरण देते हुए राघवाचार्य महाराज ने समझाया कि दृढ़ निश्चय और अटूट श्रद्धा एक साधारण व्यक्ति को भी असाधारण बना सकती है।

प्राइवेट पार्ट पकड़ना रेप नहीं कहने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा– ऐसी भाषा न बोलें, जो पीड़िता को डरा दे

प्रयागराज (संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की विवादित टिप्पणियों पर सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट अब देशभर के हाईकोर्ट के लिए एक व्यापक गाइडलाइन बनाने जा रहा है।

CJI ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर बेहद सख्त टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि 'पायजामा का नाड़ा तोड़ना और स्तनों को पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है।'

सुप्रीम कोर्ट ने रेप और यौन अपराध के मामलों में दिए जा रहे विवादित और महिला–विरोधी आदेशों पर गंभीर चिंता जताई।

कोर्ट ने कहा, हम सभी हाईकोर्ट के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर सकते हैं। ध्अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी टिप्पणियां पीड़ित पर चीलिंग इफेक्ट यानी भयावह प्रभाव डालती हैं। कई बार शिकायत वापस लेने जैसा दबाव भी पैदा करती हैं।

अदालतों को, विशेषकर हाईकोर्ट को, फैसले लिखते समय और सुनवाई के दौरान ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों से हर हाल में बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। CJI ने कहा– हम हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करेंगे और ट्रायल को जारी रहने देंगे।श

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि वह अब देश भर की अदालतों के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी करेगी ताकि भविष्य में किसी भी पीड़ित की गरिमा को न्यायिक आदेशों में ठेस न पहुंचे।

सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक दूसरे रेप केस की जानकारी दी, जिसमें यह कहा गया था कि श्महिला ने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया था, उसके साथ जो भी हुआ है वो उसके लिए खुद जिम्मेदार है। चूंकि रात थी। बावजूद इसके वह उसके साथ कमरे पर गई।

एडवोकेट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट ने भी ऐसी टिप्पणियां की हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि श्आज सेशन कोर्ट की कार्यवाही में भी एक लड़की को इन कैमरा (बंद कमरे की) कार्यवाही के दौरान भी परेशान किया गया।

इस पर CJI ने कहा– यदि आप इन सभी उदाहरणों का हवाला दे सकते हैं, तो हम दिशा–निर्देश जारी कर सकते हैं।

लाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने ये फैसला सुनाते हुए 2 आरोपियों पर लगी धाराएं बदल दीं। वहीं 3 आरोपियों के खिलाफ दायर क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली थी।

अदालत ने आरोपी आकाश और पवन पर IPC की धारा 376 (बलात्कार) और POCSO अधिनियम की धारा 18 के तहत लगे आरोपों को घटा दिया और उन पर धारा 354 (इ) (कपड़े उतारने के इरादे से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और POCSO अधिनियम की धारा 9/10 (गंभीर यौन हमला) के तहत मुकदमा चलेगा। साथ ही निचली अदालत को नए सिरे से सम्मन जारी करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले का खुद संज्ञान लिया था। इस फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं और

अलग–अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था।

25 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

तत्कालीन CJI बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस केस पर सुनवाई की। बेंच ने कहा, ष्हाईकोर्ट के ऑर्डर में की गई कुछ टिप्पणियां पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

बेंच ने कहा–

यह बहुत गंभीर मामला है और जिस जज ने यह फैसला दिया, उसकी तरफ से बहुत असंवेदनशीलता दिखाई गई। हमें यह कहते हुए बहुत दुख है कि फैसला लिखने वाले में संवेदनशीलता की पूरी तरह कमी थी।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा– सुप्रीम कोर्ट का फैसला पूरी तरह से सही है। कुछ फैसलों को रोकने के कारण होते हैं।

यूपी के कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप था लगाया कि 10 नवंबर, 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को अपने घर लौट रही थी। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए।

पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया, लेकिन रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी।

लड़की की चीख–पुकार सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे सतीश और भूरे मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपियों ने देसी तमंचा दिखाकर दोनों को धमकाया और फरार हो गए।

पीड़ित की मां थ्त दर्ज कराने गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जब पीड़ित बच्ची की मां आरोपी पवन के घर शिकायत करने पहुंची, तो पवन के पिता अशोक ने उसके साथ गालीगलौज की और जान से मारने की धमकी दी। महिला अगले दिन थाने में FIR दर्ज कराने गई। जब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो उसने अदालत का रुख किया।

21 मार्च 2022 को कोर्ट ने आवेदन को शिकायत के रूप में मानकर मामले को आगे बढ़ाया। शिकायतकर्ता और गवाहों के बयान रिकॉर्ड किए गए। आरोपी पवन और आकाश के खिलाफ IPC की धारा 376, 354, 354B और POCSO एक्ट की धारा 18 के तहत केस दर्ज किया गया। वहीं आरोपी अशोक पर IPC की धारा 504 और 506 के तहत केस दर्ज किया।

आरोपियों ने समन आदेश से इनकार करते हुए हाईकोर्ट के सामने रिव्यू पिटीशन दायर की। यानी कोर्ट से कहा कि इन आरोपों पर दोबारा विचार कर लेना चाहिए। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की सिंगल बेंच ने क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली थी।

क्या लड़की के स्तनों को पकड़ना, पायजामे की डोरी तोड़ना और उसे खींचने की कोशिश करना बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में आता है?

क्या विशेष न्यायाधीश ने समन जारी करते समय उचित न्यायिक विवेक का प्रयोग किया था?

आरोपी पक्ष ने तर्क दिया कि यह मामला रंजिशन था। क्योंकि इससे पहले आकाश की मां ने 17 अक्टूबर, 2021 को शिकायतकर्ता के रिश्तेदारों के खिलाफ छेड़छाड़ की एफआईआर दर्ज करवाई थी।

आरोपियों की ओर से वकील अजय कुमार वशिष्ठ ने तर्क दिया कि अभियुक्तों पर लगाई गई धाराएं सही नहीं हैं। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से वकील इंद्र कुमार सिंह और राज्य सरकार के वकील ने तर्क दिया कि समन जारी करने के लिए केवल प्रथम दृष्टया मामला साबित करना आवश्यक होता है, न कि विस्तृत सुनवाई करना।

प्रयागराज में थाने के सील मालखाने से लाइसेंसी रिवाल्वर गायब

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में नैनी थाने के मालखाने से लाइसेंसी रिवाल्वर गायब होने का मामला सामने आया है। अब थाने के प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम ने खुद तहरीर लिखवाकर बर्खास्त पूर्व मालखाना प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद के खिलाफ 7 दिसंबर को नैनी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं हेड मोहर्रिर 2016 में 25 लाख के गबन में बर्खास्त किया जा चुका है।

गायब रिवाल्वर पप्पू उर्फ रहमत अली की थी। जो कि लाइसेंसी थी। इसे साल 2007 में हत्या और गैंगस्टर के मुकदमे में जब्त किया गया था। रिवाल्वर रिलीज करने के लिए प्रयागराज कड ने 5 जुलाई 2023 को आदेश दिया। आदेश का पालन न होने पर पप्पू उर्फ रहमत अली ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट दाखिल की।

थाना नैनी के मालखाने का चार्ज मौजूदा हेड मोहर्रिर अशोक कुमार यादव को सौंपने के लिए पूर्व में ही एक टीम बनाई गई थी। इसमें सहायक पुलिस आयुक्त करछना अरुण कुमार त्रिपाठी, प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय रिजर्व पुलिस लाइंस प्रवीण कुमार सिंह और नैनी थाना प्रभारी बृजकिशोर गौतम शामिल थे।

3 दिसंबर 2025 को मालखाना खोलने और तलाशी के लिए टीम ने कार्रवाई शुरू

की। टीम ने मालखाना खुलवाकर वीडियोग्राफी के साथ तलाशी कराई, लेकिन तलाशी के दौरान रिवाल्वर नहीं मिला।

रिवाल्वर नहीं मिलने पर टीम के सदस्य नैनी थाना प्रभारी बृजकिशोर गौतम ने बर्खास्त मुंशी राजेन्द्र प्रसाद से फोन पर बात की। उस दौरान उसने खुद को बीमार बताया और थाने आ पाने में असमर्थता जताई। यह भी कहा कि रिवाल्वर मालखाने में ही होगा। ढूंढ लीजिए।

तलाशी के बाद भी रिवाल्वर नहीं मिलने पर नैनी थाना प्रभारी ने बर्खास्त मुंशी के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। इसमें लिखा कि तलाशी के दौरान रिवाल्वर न मिलना और राजेन्द्र प्रसाद का व्यवहार यह दर्शाता है कि रिवाल्वर को जानबूझकर नहीं सौंपा गया और उसे गायब कर दिया गया। जो कि अपराध की श्रेणी में आता है।

हेड मोहर्रिर राजेंद्र प्रसाद ने जिस मुकदमे में जमा रकम उड़ाई, वह यूनिवर्सल मल्टी स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी में गबन से संबंधित था। 2014 में क्राइम ब्रांच की टीम ने यूनिवर्सल मल्टी स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के एमडी की शिकायत पर कंपनी के 3 मैनेजरों को हिरासत में लिया।

उनके पास से कंपनी का 1.62 करोड़ रुपए बरामद किए थे और रकम नैनी थाने के मालखाने में जमा कराई थी। कंपनी को इनकम टैक्स विभाग से क्लीन चिट मिलने के बाद एमडी कोर्ट के आदेश पर नैनी थाने से रकम रिलीज कराने पहुंचे तो यह पूरा घोटाला सामने आया।

6 सितंबर 2014 को समिति के वाराणसी स्थित कार्यालय से 1.82 करोड़ रुपए लेकर कई कर्मचारी भाग निकले थे। बाद में इन्हें गिरफ्तार कर इनके कब्जे से रकम बरामद की गई। एक कर्मचारी अनूप कुमार के पास से बरामद 24.55 लाख रुपए ट्रेजरी में जमा करा दिए गए, जबकि शेष 1.62 करोड़ रुपए नैनी थाने के मालखाने में जमा कराए गए थे।

राजेन्द्र प्रसाद मूल रूप से कौशांबी के पश्चिम शरीरा के बाकरगंज का रहने वाला है।

2016 में वह नैनी थाना में हेड मोहर्रिर के रूप में तैनात था। इस दौरान उसने थाने के मालखाने से 24,49,990 रुपए का गबन किया।

इसका खुलासा 14 जनवरी 2016 को तब हुआ जब कोर्ट के आदेश पर मुकदमा वादी को पैसा रिलीज करने के लिए मालखाना खोला गया।

यह मुकदमा 1.62 करोड़ रुपए के गबन से संबंधित था, जिनमें से 1.38 करोड़ रुपए बरामद करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

बरामद रकम थाने के मालखाने में जमा करा दी गई थी। पूछताछ में आरोपी ने रकम गायब करना और उसे खर्च कर देने की बात स्वीकार की थी। इस पर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। बाद में विभागीय कार्रवाई के तहत उसे बर्खास्त कर दिया गया।

प्रयागराज में परशुराम सेना का प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण बेटियों पर की गई टिप्पणी के विरोध में प्रयागराज में प्रदर्शन हुआ। सोमवार को राष्ट्रीय परशुराम सेना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। यह प्रदर्शन पत्थर गिरजा घर स्थित धरना स्थल से शुरू हुआ। कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर सुभाष चौक तक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर आईएएस अधिकारी के खिलाफ नारे लगाए। सुभाष चौक पहुंचने पर संतोष वर्मा का पुतला दहन कर

विरोध जताया गया। राष्ट्रीय परशुराम सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे अधिकारी की ऐसी टिप्पणी समाज में गलत संदेश देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान केवल एक वर्ग विशेष नहीं, बल्कि देश की सभी बेटियों और महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। संगठन ने ऐसी सोच को अस्वीकार्य बताया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से इस मामले में तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने संतोष वर्मा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई करने और उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की मांग भी उठाई। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को देशव्यापी स्तर पर बढ़ाया जाएगा। उन्होंने इसे केवल एक बयान का नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और सामाजिक मर्यादाओं से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया। इस विरोध प्रदर्शन में अधिवक्ताओं के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। सभी ने सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा पर जोर दिया और कहा कि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाने चाहिए जो इस कसौटी पर खरे नहीं उतरते।

ज्ञानवापी वजूखाने के सर्वे मामले पर सुनवाई

प्रयागराज (संवाददाता)। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित वजूखाना के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। राखी सिंह की पुनरीक्षण याचिका पर हाईकोर्ट में इससे पहले कई सुनवाई टल चुकी है। सुप्रीम कोर्ट में केस लगा होने की वजह से हाईकोर्ट में सुनवाई टलती रही है। इससे पहले हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ को बताया गया कि प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय का अंतरिम आदेश अभी भी प्रभावी है। इसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई टालते हुए डेट लगा दी थी। न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उपासना स्थल कानून को लेकर दाखिल याचिका की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई लंबित रहने के कारण पिछली सुनवाई टाल दी थी। इससे पहले शुक्रवार को राखी सिंह अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने कोर्ट को बताया कि उपासना स्थल कानून की वैधता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित सुनवाई पूरी नहीं हुई है। अंतरिम आदेश प्रभावी है जिससे किसी प्रकार के सर्वे आदेश पर रोक लगी है। इस पर हाईकोर्ट ने सुनवाई टाल दी। गौरतलब है कि श्रृंगार गौरी केस की पक्षकार राखी सिंह की सिविल पुनरीक्षण याचिका के साथ संबद्ध 1991 के स्वंभू लार्ड आदि विशेश्वर वाद में अतिरिक्त वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका में हाईकोर्ट नें विपक्षी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद एवं सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड से जवाब मांगा था।

75 वर्ष बाद माघ मेले का अद्भुत संयोग

प्रयागराज (संवाददाता)। संगम की रेती पर एक बार फिर से माघ मेला का दिव्य और भव्य आयोजन होने जा रहा है। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और आध्यात्मिक मेले में ऐसा मुहूर्त आया है कि जो लोग महाकुंभ में नहीं आ पाए वह इस माघ मेले में आकर पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं।

श्इस बार 75 वर्षों के बाद यानि 76वें वर्ष में सूर्य मकर राशि में अपने ही दिन यानी रविवार को प्रवेश कर रहे हैं, जिससे माघ मेले में अद्भुत संयोग बना रहा है। यही वजह है कि योगी सरकार भी माघ मेला 2025–26 को मिनी कुंभ के तौर पर आयोजित कर रही है।

यह कहना है कि अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज का। उन्होंने बताया कि माघ मेला परंपरागत है और अनादि काल से चला रहा है। उन्होने बताया कि कुंभ, महाकुंभ और माघ मेले मुहूर्त पर लगते हैं। माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं तब माघ मेला लगता है।

उन्होंने कहा कि इस बार आदित्य यानी सूर्य का योग सूर्य के दिवस से ही शुरू हो रहा है जिस दिन सूर्य उत्तरायण होंगे उस दिन रविवार है यह अद्भुत संयोग 75 वर्षों बाद 76 वें वर्ष में हो रहा है।

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने बताया कि इस संयोग में संगम की त्रिवेणी में स्नान और दान का विशेष महत्व है। इससे जनमानस का भी कल्याण होगा। उन्होंने बताया कि कुंभ के दौरान स्नान करने से जिस पुण्य की प्राप्त होती है, वही पुण्य इस बार के माघ मेले में स्नान से भी प्राप्त होगा।

इस बार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ सकती है इसलिए साधु, संतों के शिविरों में भी लोगों के रहने और भोजन की खास तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त

मोदी जी के मन की बात की नकल कर रहे मुख्यमंत्री–कांग्रेस

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री पाती लिखकर मोदीजी के मन की बात की नकल में लगे हैं। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पाती में रोहिंग्या घुसपैठियों की बात करके मोदी सरकार की सच्चाई उजागर कर रहे हैं। देश जानना चाहता है कि केंद्र बीजेपी सरकार ने कितने घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा, आंकड़े बताए। पाती में प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी,मंहगाई, भ्रष्टाचार पर बात क्यों नहीं करते मुख्यमंत्री जी।

हत्या कर शव जलाने वाले 5 गिरफ्तार, जमीन कब्जाने के लिए अपहरण किया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ की निगोहां पुलिस ने हत्या कर शव जलाने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक को मिलने के बहाने बुलाया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी। शव को उन्नाव में ले जाकर जला दिया था। परिजनों के गुमशुदगी दर्ज कराने पर पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। एडीसीपी साउथ रालापल्ली बसंत ने बताया निगोहां के दखिना शेखपुर निवासी कबीर उर्फ शिव प्रकाश (42) का अधजला शव उन्नाव के बीघापुर थाना क्षेत्र में मिला। परिजनों के शव की पहचान करने के बाद टीम जांच में जुटी। जिसका खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। 19 नवंबर को सुरेंद्र कुमार ने निगोहां पुलिस को सूचना दी थी कि उनका दोस्त कबीर 16 नवंबर से लापता है। केस दर्ज कर पुलिस ने आसपास के जिलों में तलाश शुरू की। इसी दौरान बीघापुर पुलिस ने एक अधजले अज्ञात शव मिलने की जानकारी दी। फोटो देखने के बाद परिजनों ने शव की पहचान कबीर के रूप में की। जांच में खुलासा हुआ कि कबीर की मां स्व. सत्यवती के नाम 44 बिस्वा जमीन रायबरेली,लखनऊ राजमार्ग के किनारे थी। यही जमीन विवाद की जड़ बनी। कबीर के बड़े भाई शिव सहाय गौतम ने मां की पावर ऑफ अटॉर्नी लेकर 2019 में जमीन सुजीत कुमार श्रीवास्तव व आशीष यादव के जरिए सतगुरु के नाम रजिस्ट्री कर दी थी। बाद में सुजीत और आशीष ने सतगुरु से रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवाकर जमीन यथार्थ प्रॉपर्टी के श्रवण कुमार को बेच दी। पूरे मामले को लेकर कबीर ने कोर्ट में मुकदमा कर दिया था, जिसकी पैरवी वह खुद कर रहे थे। जिसके चलते हत्या की आशंका जताई।

खाद्य आयुक्त आईएएस अनामिका सिंह ने वीआरएस के लिए किया आवेदन, निजी कारणों का दिया हवाला

लखनऊ। यूपी में आईएएस अनामिका सिंह ने निजी कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। वह वर्तमान में खाद्य आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। अनामिका सिंह 2004 बैच की अधिकारी हैं। उनकी सेवाएं 2038 तक के लिए बाकी हैं। कुछ समय पूर्व उन्होंने केंद्र में जाने के लिए भी राज्य सरकार से एनओसी मांगी थी। सितंबर के महीने में ही उन्हें बरेली मंडल का मंडलायुक्त नियुक्त किया गया था। वह फतेहपुर की रहने वाली हैं। इससे पहले वह बरेली में सीडीओ के पद पर भी रह चुकी थीं।

50 हजार के इनामी तस्कर का हाफ एनकाउंटर, साथी समेत गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 50 हजार के इनामी तस्कर को पुलिस ने रविवार की देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से यह घायल हो गया। इसका साथी भी पकड़ा गया है। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है। ये मादक पदार्थ की तस्करी करने के मामले फरार चल रहे थे। मुठभेड़ मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के जबरौली गांव के पास हुई। एएनटीएफ के उपनिरीक्षक

मनीष कुमार के मुताबिक, पकड़े गए बदमाशों की पहचान कौशांबी जिले के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के अकबरपुर निवासी पंकज त्रिपाठी और रायबरेली जिले के गदागंज थाना क्षेत्र निवासी नरेंद्र त्रिपाठी के रूप में हुई। इनके कब्जे से एक देशी तमंचा, कारतूस, मोटरसाइकिल व नकदी बरामद हुई है। बताया कि पंकज शातिर किस्म का अपराधी है। वह मादक पदार्थ की सप्लाई करने के मामले काफी दिनों से फरार चल रहा था। इस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ की सूचना पर एडीसीपी साऊथ व एसीपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

एसआईटी करेगी जहरीली कफ सिरप मामले की जांच, ड्रग माफियाओं के खिलाफ 128 एफआईआर दर्ज

लखनऊ। यूपी में जहरीली कफ सिरप मामले की जांच आईजी के नेतृत्व में गठित होने वाली राज्य स्तरीय एसआईटी करेगी। कफ सिरप से मौत का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। ये जानकारी सोमवार को यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अब तक 128 एफआईआर दर्ज हुई हैं।

किसी भी ड्रग की तरह कफ सिरप के भी स्टॉकिस्ट हैं जिसमें कुछ अवैध रूप से सिरप बेच रहे थे। मामले में पांच में से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कहा कि कफ सिरप के बांग्लादेश और नेपाल में भी बेचे जाने का इनपुट मिला है। जांच की जा रही है। जांच के दायरे में आई फर्मों और आरोपियों की फायनेंशियल ट्रेल खंगाली जा रही है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। दुबई भागे आरोपियों का प्रत्यर्पण कराया जाएगा।

लोकपाल समाज शेखर ने बिहार ब्लाक के सराय महासिंह के प्राचीन हाट बाजार का किया भ्रमण

ग्राम पंचायत को मनरेगा तथा अन्य योजनाओ से सुव्यवस्थित करने का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने बिहार ब्लाक के सराय महासिंह ग्राम पंचायत के प्राचीन साप्ताहिक हाट बाजार का भ्रमण कर निरीक्षण किया। ग्रामीणों की मांग पर लोकपाल ने ग्राम पंचायत को बाजार संचालक के साथ समन्वय स्थापित कर मनरेगा तथा अन्य योजनाओ से बाजार को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया।

लोकपाल समाज शेखर को बीते शुक्रवार 5 दिसंबर को बाजार भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने बताया की साल के बारह महीने प्रत्येक शुक्रवार व सोमवार को सैकडो वर्षो से यह बाजार कई पीढ़ियों से पूर्वजो द्वारा संचालित हो रही है। बाजार में आसपास के 5 से 7 हजार लोग आते है और दैनिक वस्तुओ व सब्जी की खरीद करते है। छोटे बड़े लगभग 100 दुकानदार व किसान अपनी दुकान लगाते है। सैकड़ो परिवारों की आजीविका इसी बाजार से चलती है। सर्दी व बरसात में दुकानदारो को मौसम की मार झेलना होता है जिससे काफी कठिनाई होती है। लोगो ने बाजार के चबूतरों व मार्ग को विकसित किये जाने की मांग की थी।

लोकपाल समाज शेखर ने आज ग्राम प्रधान सुशील सिंह व सचिव अभिषेक सिंह से इस सम्बन्ध में विस्तृत वार्ता करके साप्ताहिक हाट बाजार को मनरेगा तथा अन्य योजना द्वारा सुव्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया । वहीं लोकपाल ने खंड विकास अधिकारी व उपायुक्त मनरेगा से भी इस कार्य में सहयोग की अपेक्षा की है । ग्राम प्रधान सुशील प्रताप सिंह ने बताया की 2 सोलर लाइट लगाई गई है, सफाई हेतु सफाई कर्मी को जिम्मेदारी दी गई है। प्रधान सुशील सिंह व सचिव अभिषेक सिंह ने लोकपाल को आश्वस्त किया कि शीघ्र योजना बनाकर बाजार को विकसित किया जायेगा। प्रधान सुशील ने कहा की प्राचीन बाजार के संरक्षण व प्रबन्धन में बाजार संचालक से समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्था में सहयोग कर स्थल को विकसित कर यथाशीघ् अवगत कराया जायेगा।

क्रिएटिव वुमन्स अवार्ड शो–2025 का आयोजन

प्रयागराज। क्रिएटिव वुमन्स अवार्ड शो 2025 का आयोजन खानम आर्ट गैलरी में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि रीता बहुगुणा जोशी पूर्व मंत्री और सांसद ने महिलाओं के हौसलों को बढ़ाया और कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में बहुत आगे जा रही हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. राज बावेजा, प्रोफेसर नासे उस्मानी, डॉ. सरोज ढींगरा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि आयोजक डॉ. जाहेदा खानम व उनकी खानम आर्ट गैलरी महिलाओं की क्रिएटिविटी को बढ़ाने और समाज को विकसित करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। क्रिएटिव वूमन अवार्ड पाने वाली शख्सियत में डॉ. जाहेदा खानम – आयोजक और निदेशक खानम आर्ट गैलरी,सलीहा मदानी– प्रिंसिपल द पाम अकेडमी, डॉ.अलवीना फारूकी– प्रोफेसर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, डॉ. गजाला इकबाल– गायनेकोलॉजिस्ट न्यू सहारा हॉस्पिटल,डॉ. नफीसा बानो–पूर्व हेड ऑफ उर्दू और एसोसिएट प्रोफेसर वसंत कॉलेज फॉर वुमन्स, राजघाट बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, डॉ. सारा मुख्तार

– डायरेक्टर, अमान नर्सिंग होम,शकुंतला चंद्रा – सोशल वर्कर,सबा बानो– स्वीट बेकरी, मंजूला चतुर्वेदी – प्रोफेसर और हेड, डिपार्टमेंट ऑफ फाइन आर्ट, एमजीकेवीपी, वाराणसी को मुख्य अतिथि रीता बहुगुणा जोशी ने अपने कर–कमलों से सम्मानित किया। गैलरी के मीडिया प्रभारी प्रसिद्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि खानम आर्ट गैलरी प्रत्येक वर्ष पूरे भारत से 10 क्रिएटिव वूमेंस को उनके किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित करती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

महाप्रबंधक श्री अमिताभ सहित रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

उत्तर पश्चिम रेलवे पर शुक्रवार दिनांक 08.12.2025 को भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय के संकल्प हॉल में दिनांक 08.12.25. सोमवार को भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

महापरिनिर्वाण दिवस प्रतिवर्ष 6 दिसंबर को भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। वे भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी थे। 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना जीवन विशेषकर दलितों, महिलाओं और मजदूरों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया, जिन्हें व्यवस्थागत सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा था। भारत भर में लाखों लोग इस पावन दिवस पर उनकी शिक्षाओं और एक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज के निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर विचार करके उनकी विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। महाप्रबंधक के साथ प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री पी.के. सिंह, ऑल इंडिया एससीएसटी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी एल बैरवा, उत्तर पश्चिम रेलवे एम्पलाईज यूनियन के महामंत्री श्री मुकेश माथुर एवं उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री श्री विनोद मेहता ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय के सभी विभागाध्

यक्ष तथा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब के योगदान, संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और समानता, न्याय एवं निष्पक्षता पर आधारित उनके विचारों को याद कर 2 मिनट का मौन रखा तथा अंत में सभी ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज, सीएम योगी ने की अपील, कहा–सतर्क रहें

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने से पहले उसकी पहचान अवश्य सत्यापित करें। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून–व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह अपील ऐसे समय में की है, जब उनके निर्देश पर पिछले सप्ताह से पूरे प्रदेश में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। उन्होंने सोमवार सुबह 'एक्स

पर एक पोस्ट में उच्चतम न्यायालय की हालिया टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा, ''उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाया जा सकता। इससे स्पष्ट है कि घुसपैठिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। सीएम योगी ने कहा कि संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राज्य की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध सघन अभियान शुरू किया गया है तथा सभी शहरी स्थानीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संसाधनों पर अनधिकृत बोझ हटाना आवश्यक है और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को वंचितों तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता, इसी उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और पहचाने गए घुसपैठियों को आगे की कार्रवाई के लिए निरुद्ध केंद्र भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मंडल में ऐसे केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। जनता से अपील करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घरेलू या व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने से पहले उसकी पहचान अवश्य सत्यापित करें।

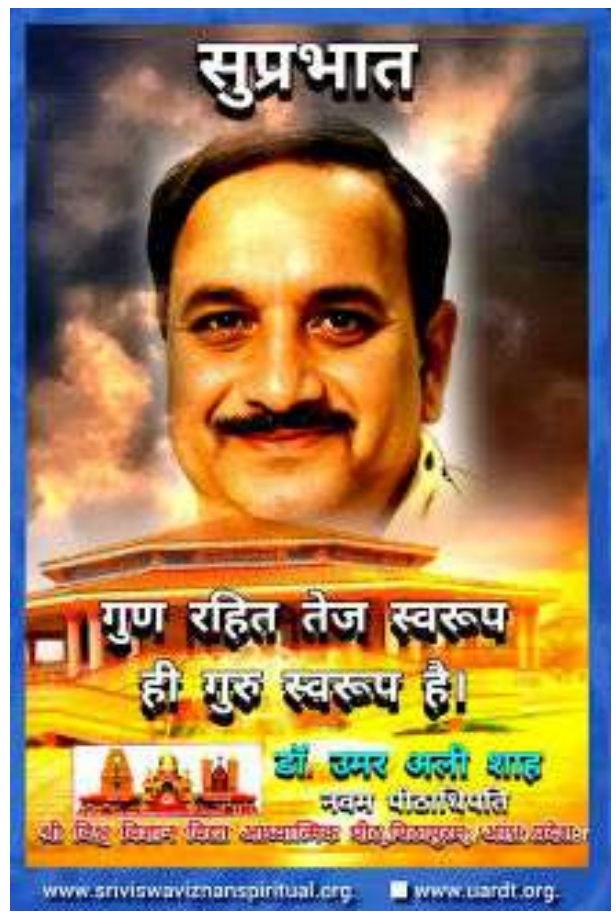

गुलबक्सी

खिलते हैं जो शाम को, रखते नेक उसूल।
संज्ञा उनको दी गई, चार बजे का फूल।
चार बजे का फूल, जिसे गुलबक्सी कहते।
खुशबू के ही साथ, जड़ी–बूटी हैं बनते।
सुन लो कहें प्रदीप, कई रंगों को भरके।
पौधों की हर शाख, शाख पर हैं यह खिलते।।

तुरही के आकार का, आर्नामेंटल फूल।
गुलबस कहते हैं जिसे, लगते नहीं मलूल।
लगते नहीं मलूल, रहा करते बन ठनके।
करते सदा निदान, रोग का औषधि बनके।
सुन लो कहें प्रदीप, पुष्प की गजब बतकही।
रहता है यह मौन, बोलती इसकी तुरही।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

संसद में बोले अखिलेश यादव, वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए भी होना चाहिए

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' सिर्फ गाने के लिए नहीं, बल्कि निभाने के लिए भी होना चाहिए, लेकिन आज के ''दरारवादी'' लोग इसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। अखिलेश ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान में सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं। सपा सांसद ने कहा, ''हमारे सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं..जो महापुरुष उनके नहीं हैं, या जो चीज उनकी नहीं है, उन्हें भी अपनाना चाहते हैं।''अखिलेश ने कहा, ''वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं है, निभाने के लिए भी होना चाहिए। सत्ता पक्ष के लोग आकलन करें कि हम इसे कितना निभा रहे हैं। आज के 'दरारवादी' लोग उसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों ने पहले भी देश के साथ दगा किया है, आज भी (दगा) कर रहे हैं।'' उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठन के समय उनके जो अध्यक्ष चुने गए थे, उन्हें जो भाषण देना था उस पर इस बात को लेकर बहस चली थी कि ''भाजपा धर्मनिरपेक्ष समाजवाद के रास्ते पर जाएगी कि नहीं।'' सपा सांसद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम् कोई दिखावा, या राजनीति का विषय नहीं है, लेकिन ''ऐसा लगता है कि वंदे मातरम् इन्हीं (सत्तापक्ष) का बनवाया हुआ है।'' उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर तंज कसते हुए कहा, ''जिन्होंने आजादी के आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, वे वंदे मातरम् का महत्व क्या जानेंगे?'' उन्होंने उत्तर प्रदेश में प्राथमिकी विद्यालयों को एकीकृत किये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जब हम आजाद हैं, ''उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूल बंद किये जा रहे हैं। 26 हजार से अधिक स्कूल बंद हो गए।''उन्होंने दावा किया कि जब पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज ने बच्चों को पढ़ाने की कोशिश की, तो भाजपा सरकार ने पढ़ने गये बच्चों और पढ़ाने गए लोगों पर मुकदमा कर दिया।

एटीएस ने लखनऊ नगर निगम से मांगा सफाईकर्मियों का डेटा, रोहिंग्या–बांग्लादेशी घुसपैठिए रडार पर

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्यों का मुद्दा काफी गरमा गया है। मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय ने सीधे नाराजगी जताई गई है। इसके बाद आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने लखनऊ नगर निगम से सफाई कर्मचारियों का डेटा मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, इनपुट मिला है कि बांग्लादेशी–रोहिंग्या घुसपैठिए नगर निगम के सफाई कर्मी के रूप में काम कर रहे हैं। नगर निगम से डेटा मिलने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ पुलिस ने भी नगर निगम ने सफाई कर्मियों का विवरण मांगा है। एटीएस मुख्यालय के पुलिस उपाधीक्षक ने लखनऊ नगर निगम को पत्र लिखा गया है। नगर निगम से कचरा प्रबंधन में आउटसोर्सिंग के साथ रोजाना काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में पूरी जानकारी मांगी है। इसमें सफाई कर्मचारी व उनके ठेकेदारों की सूची, निवास, पहचान पत्र, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड सहित अन्य डिटेल मांगी गई है। नगर निगम में पत्र आने के बाद सभी 8 जोन के जोनल प्रभारी और जोनल सेनेटरी ऑफिसर की तरफ से डेटा कलेक्शन का काम शुरू कर दिया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से भी सफाई कर्मचारियों का डेटा शेयर करने के लिए नगर निगम से मांग की गई है। यूपी एटीएस की तरफ से मांगी गई सूचना के बाद नगर निगम का महकमा पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ गया है। एटीएस के अधिकारियों की तरफ से नगर निगम के अधिकारियों को फोन कर जल्द से जल्द पूरी सूचना देने की बात कही जा रही है, लेकिन अभी तक नगर निगम की तरफ से इसका डेटा एटीएस से साझा नहीं किया गया है।

सम्पादकीय.....

बिग बॉस 19 में वोटिंग पर बड़ा सवाल, शिकायत से उठा विवाद

यूपी की राजधानी लखनऊ के निवासी संजय शर्मा ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 के खिलाफ विस्तृत शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि शो में होने वाली एविक्शन और कंटेस्टेंट की रैंकिंग टीवी पर किए जाने वाले दावों के विपरीत, वास्तव में जनता की वोटिंग पर आधारित नहीं होती। उनका कहना है कि दर्शकों के सामने यह छवि बनाई जाती है कि एसएमएस और ऐप के जरिये की गई वोटिंग ही अंतिम फैसला तय करती है, जबकि पर्दे के पीछे परिणाम पहले से तय या मनमाने तरीके से बदले जाते हैं। संजय शर्मा ने अपनी शिकायत महाराष्ट्र पुलिस, गृह मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और प्रसारण सामग्री शिकायत परिषद सहित कई संवैधानिक और नियामक निकायों को भेजी है। शिकायत में बिग बॉस 19 के निर्माताओं, प्रसारकों और संबद्ध कंपनियों पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, दर्शकों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनकी की गई वोटिंग के आधार पर ही कोई कंटेस्टेंट घर से बाहर होता है या बचता है, लेकिन वास्तव में यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मनचाहे प्रतिभागियों को बचाने, और कुछ प्रतियोगियों को बाहर करने के लिए वोटिंग डेटा से छेड़छाड़, फर्जी रिकॉर्ड तैयार करने और 'मिनिमम गारंटी' कॉन्ट्रैक्ट्स तथा पहले से तय स्क्रिप्ट के जरिये शो के परिणामों को पहले से नियंत्रित किया जाता है। संजय शर्मा की ईमेल.शिकायत के उत्तर में जियोस्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एक विस्तृत पत्र भेजकर सभी आपराधिक आरोपों को तथ्यहीन, कानूनी रूप से अस्थिर और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज किया है। कंपनी ने साफ लिखा है कि बिग बॉस का फॉर्मेट "ब्लेंडेड मैकेनिज्म" पर चलता है, जिसमें दर्शकों की वोटिंग के साथ.साथ एडिटोरियल निर्णय और क्रिएटिव डायरेक्शन भी मिलकर यह तय करते हैं कि कौन नामांकित होगा और किसका एविक्शन होगा, और कहीं भी यह आश्वासन नहीं दिया जाता कि केवल वोट ही परिणाम का अंतिम आधार होंगे। जियोस्टार के इस आधिकारिक उत्तर से यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है कि शो के टेलीविजन प्रमोशन, होस्ट के संवादों और मंच से बार.बार दी जाने वाली "जनता ही विजेता तय करेगी" जैसी धारणा के विपरीत, वास्तव में निर्णय बहु.कारक आंतरिक प्रक्रिया पर आधारित हैं। शिकायतकर्ता संजय शर्मा का कहना है कि चौनल और शो की ओर से जनता को साफ.साफ नहीं बताया जाता कि उनकी वोटिंग केवल एक इनपुट है, न कि अंतिम निर्णय, जिसके कारण करोड़ों दर्शक यह विश्वास करके वोट करते हैं कि उनका वोट सीधे.सीधे कंटेस्टेंट की किस्मत का फैसला करेगा, जबकि कंपनी के पत्र में खुद स्वीकार किया गया है कि अंतिम निर्णय में संपादकीय और क्रिएटिव टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। जहां जियोस्टार ने अपने जवाब में शिकायत को पब्लिसिटी पाने का प्रयास बताते हुए संजय शर्मा को मानहानि और कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी है, वहीं संजय शर्मा ने अपनी शिकायत में मांग की है कि बिग बॉस 19 से संबंधित सभी वोटिंग रिकॉर्ड, प्रोडक्शन कॉन्ट्रैक्ट्स, सीसीटीवी और कैमरा फुटेज जब्त कर स्वतंत्र फोरेंसिक जांच कराई जाए। यह पूरा विवाद इस सवाल को और तेज कर रहा है कि रियलिटी शो कहलाने वाले बड़े टीवी कार्यक्रमों में "जनता की अदालत" और "सिर्फ आपके वोट से तय होगा नतीजा" जैसे दावों की सच्चाई कितनी वास्तविक है और क्या दर्शकों को वोटिंग के वास्तविक प्रभाव के बारे में पूरी पारदर्शिता दी जाती है या नहीं।

निर्वाचन की विश्वसनीयता कायम रखना बहुत जरूरी है

पवन के. वर्मा

चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ–साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को 'पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण' का अधिकार देता है।

किसी सच्चे लोकतंत्र में एक स्वतंत्र, निडर और गैर–पक्षपाती लोकपाल के बिना निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। हमारी संवैधानिक व्यवस्था ने यही भूमिका भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दी है। यदि यह धारणा बन जाए कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता से समझौता किया जा चुका है तो पूरे तंत्र से भरोसा उठने लगेगा और चुनाव अपनी लोकतांत्रिक वैधता खो देंगे। चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ–साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को 'पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण' का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक–सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे। लेकिन अनुच्छेद 324 में कुछ अन्य निर्वाचन आयुक्तों की परिकल्पना की गई, जिन्हें समय–समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जा सके। 1989 में संसद ने कानून बनाकर आयोग को तीन सदस्यीय संस्था बना दिया। 12 दिसम्बर 1990 को टीएन शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के साथ ही निर्वाचन आयोग चुनावों की निगरानी का एक ताकतवर संस्थान बन गया। शेषन ने वोटरों को रिश्वत–शराब बांटने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और धर्म–जाति के नाम पर वोट मांगने जैसी 150 से ज्यादा चुनावी गड़बड़ियों की पहचान की। उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर इसे फिर से प्रभावी बनाया। मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य किया, चुनाव खर्च की सीमा तय की और मतदान वाले राज्य से बाहर के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने लगे। पहली बार स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया, जिससे चुनावों में बाहुबल का इस्तेमाल काफी मुश्किल हो गया। शेषन की निगरानी में हुए 1992 के चुनावों में गड़बड़ियों के चलते कुछ निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव तक रद्द कर दिया गया था। 1993 में चुनाव खर्च का ब्योरा न देने पर संसदीय चुनाव के 1488 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शेषन ताकतवर राजनेताओं से टकराने में नहीं हिचकते थे। नेताओं को उनका संदेश था कि चुनाव रेवड़ियां बांटने और धनबल–बाहुबल की नुमाइश का तमाशा नहीं है। लेकिन कोई अकेला व्यक्ति संस्थागत ईमानदारी बनाए रखने के लिए काफी नहीं हो सकता। क्योंकि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि आयुक्तों के चयन में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चयन समिति में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन 2023 में ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सलाह को दरकिनार कर एक कानून के जरिए सीजेआई के स्थान पर मंत्रिमंडल के एक और सदस्य को समिति में शामिल कर दिया। इससे निर्वाचन आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में सत्ताधारी दल को भारी फायदा मिल गया। दूसरे, इसी कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शेष दो आयुक्तों को हटाने का अधिकार दे दिया गया, जिससे आयुक्तों के बीच समानता का दर्जा समाप्त हो गया। ऐसे में आयुक्तों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, यहां तक कि सरकार के रुख से भी सहमत होने का दबाव बढ़ गया। पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा के साथ जो हुआ, सबके सामने है। उन्होंने सत्ताधारी दल से असहमति जताने की हिम्मत दिखाई थी। तीसरे, शेषन के बाद आदर्श आचार संहिता कभी इतनी सख्ती से लागू नहीं हो पाई। ताजा उदाहरण लें। यों निर्वाचन आयोग पहले से जारी सरकारी योजनाओं तक में नगद सहायता के हस्तांतरण पर चुनाव से महीनों पहले रोक लगा देता है, लेकिन बिहार में आचार संहिता से एक घंटे पहले प्रति विधानसभा क्षेत्र 60 से 62 हजार महिलाओं के खाते में 10–10 हजार रुपए का वितरण रोकने के लिए उसने कुछ नहीं किया। आचार संहिता लागू होने के बाद भी नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जाने पर रोक नहीं लगाई। वोटरों को ले जाने के लिए मुफ्त ट्रेनों के संचालन पर आंखें मूंद लीं। जो आचार संहिता केवल विपक्ष पर लागू हो, सत्ताधारी दल पर नहीं, उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर हो जाता है। सवाल चुनाव जीतने या हारने का नहीं, बल्कि चुनावों की विश्वसनीयता कायम रखने और सभी प्रत्याशियों को समान अवसर सुनिश्चित करने का है। हमें कैसा निर्वाचन आयोग चाहिए– जो सिर्फ चुनाव कराए, या जो लोकतंत्र की रक्षा भी करे?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हिमालयी संस्कृति से सम्मोहित विदेशी योगनियां

प्रेम शुक्ल

आज की उपभोक्ता संस्कृति के चरम पर शायद ही कोई भारतीय सैर–सपाटे और भौतिक सुख के लिये विदेश जाने की हसरत न रखता हो। वह बात अलग है कि उसकी जेब इजाजत दे या नहीं। ऐसे दौर में विडंबना देखिए कि जब लाखों भारतीयों के लिये पश्चिमी भोग संस्कृति के सम्मोहन और मौज–मस्ती के लिये विदेश जाना जुनून बना हुआ है, सैकड़ों विदेशी शांति–सुकून व आध्यात्मिक ज्ञान के लिये भारत का रुख कर रहे हैं। जिन पश्चिमी जीवन मूल्यों को आज भारतीय सुख के मानक मानकर अपनाने की होड़ में शामिल हैं, उससे उपजे मनोकायिक रोगों से मुक्ति के लिये विदेशी योगी–योगनियां हिमालय की शरण में आ रहे हैं। वे विदेशी अपने जीवन में कामयाब हैं। उनके पास संसाधनों व पैसे की कमी नहीं है। दरअसल, ये अमीर व विकसित देशों के लोग मशीनी होती जिंदगी की ऊब से मुक्त होने के लिये भारत आते हैं। उत्तराखंड की योग नगरी ऋषिकेश तथा अन्य हिमालयी राज्यों के रमणीक स्थल इन विदेशियों की प्राथमिकता बने हुए हैं। उत्तराखंड की विश्व स्तर पर चर्चित योग नगरी ऋषिकेश में पूरे साल विदेशी योगियों व आध्यात्मिक शांति के चाहने वालों का तांता लगा रहता है। यहां योग का बाजार भी खूब फल–फूल रहा है। साल भर योग से जुड़े तमाम आयोजन होते रहते हैं। लेकिन पिछले दिनों ऋषिकेष से कोई चालीस किलोमीटर की दूरी पर टिहरी गढ़वाल के अंतर्गत आने वाले सिंगथाली गांव के निकट बड़ी संख्यों में विदेशी योगनियों का हुजूम लगा नजर आया। जो स्थानीय लोगों के कौतूहल का विषय बना रहा। भारतीय परिधान और हिमालय की शक्तियों को जानने की उनकी तीव्र उत्कंठा मुखरित हो रही थी। कभी देवप्रयाग के संगम में श्रद्धानत होकर डुबकी लगाते, कभी ऋषिकेश तो कभी हरिद्वार के गंगा तटों पर सूर्य साधना करते नजर आते। दरअसल, 'अवेकन द द जर्नी ऑफ सेल्फ–डिस्कवरी ' मुहिम में भाग लेने दुनिया के तीस देशों के करीब डेढ़ सौ साधक उत्तराखंड आए हुए थे। इन योग साधकों में ब्रिटेन, इटली, साइप्रस,अमेरिका, सिंगापुर, ताइवान, हांगकांग, चीन , मलेशिया, यूएई, वियतनाम, मॉरीशस, त्रिनिदाद और एशिया व यूरोप के कई देशों की योगनियां शामिल थीं। पेशेवर हिसाब से देखें तो इन साधकों की विविधता समृद्ध थी। इनमे, डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षाविद , हीलर्स, आध्यात्मिक अभ्यासकर्ता, उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान रखने वाले साधक शामिल थे। वे सभी एक ही उद्देश्य से जुटे थे, हिमालयीय आध्यात्मिक ज्ञान को साक्षात अनुभव करना। गंगा के विस्तृत तटों पर विदेशी साधकों का सूर्य को अर्घ्य देने अनवरत अभ्यास हर किसी को चौंकाता है। वे विभिन्न धर्मों, देशों व संस्कृति के लोग सूर्य आराधना के मंत्र उच्चारित करते नजर आते तो स्थानीय लोग हैरत में होते। उस दिन सिंगथाली गांव के ठीक नीचे पुण्य सलिला गंगा की लहरों का अंतर्मन को भिगोने वाला संगीत साधकों को सम्मोहित कर रहा था। जैसे ही सूर्य की रश्मियां टिहरी गढ़वाल की इस तलहटी में नवजीवन का संचार करने लगीं, ये तमाम विदेशी योगी–योगनियां अपने तांबे, चांदी व मिश्रित धातुओं के पात्रों से सूर्य को अर्घ्य देने लगते हैं। ये क्रम निरंतर कई घटों तक चलता रहा। दरअसल, ये विभिन्न देशों, संस्कृतियों व धर्मों के साधक जल साधना के जरिये ध्यान की एकाग्रता का लक्ष्य हासिल कर रहे थे। पूंजीवादी के चरम वाले अमेरिका, साम्यवादी चीन, लोकतांत्रिक ताइवान, कठमुल्ला संस्कृति के वाहक ईरान व साइप्रस के विभिन्न धर्मी लोगों को सूर्य को अर्घ्य देते और सूर्य आराधना मंत्र का उच्चारण करते देखना रोमांचित करता है। ये वैश्विक पटल पर योग की जोड़ने की भारतीय संस्कृति का जीवंत उदाहरण ही है। दरअसल, सिंगथाली के सुरम्य प्राकृतिक अधिवास में गंगा का सान्निध्य इन विदेशी योग साधकों को भावविभोर कर गया। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुषमा उन्हें मंत्रमुग्ध करती है। इस योग पर्व में उन्होंने योग के विभिन्न आयामों से रूबरू होने का शुभ अवसर पाया और इसका भरपूर लाभ भी उठाया। प्रातःकालीन सत्र में आसन, प्राणायाम व ध्यान, दिन में योग जिज्ञासाओं पर मंथन और रात्रि के सत्रों में योग के बौद्धिक विमर्श में इन विदेशी मेहमानों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। इन विदेशी साधकों की योग जिज्ञासाओं के निराकरण के लिये कई विशेष सत्र भी इस दौरान आयोजित किए गए। वहीं गंगा के तट पर रोज होने वाला सांध्यकालीन गंगा आरती का आयोजन इन साधकों के लिये एक पर्व जैसा होता था। घाटी की गहराई में पहाड़ी इलाका होने के कारण सूर्य जल्दी ही ओझल हो जाता है। ऐसे में आरती में प्रयुक्त होने वाली कई ज्योति वाली दीप माला इन विदेशी मेहमानों के अंतर्मन को भिगो जाती थी। इसके बाद वे फिर अपनी योग साधनाओं में गहरे उतर जाते। निश्चित रूप से, यह योग की ताकत ही है दुनिया की अलग–अलग शासन व्यवस्थाओं, विभिन्न महाद्वीपों, संस्कृतियों व धर्मों से जुड़े लोग यहां श्रद्धा भाव से योगिक क्रियाओं को संपन्न करते हैं। उनके लिये योग व ध्यान की समृद्ध परंपराएं धार्मिक विश्वासों में बाधक नहीं हैं। इसे तो योग की वैश्विक सर्वस्वीकार्यता ही कहा जाएगा कि इन युवा योग साधकों को योग की जननी भारत की धरती सम्मोहित करती है। वहीं दूसरी ओर विदेशी साधकों की उपस्थिति से ये योग उत्सव एक अद्भुत सांस्कृतिक मेला नजर आता है। इस विशिष्ट योग उत्सव में भाग लेने वालों में विदेशी कॉरपोरेट जगत के बड़े अधिकारी शामिल रहे, जो समृद्धि हासिल करने के बाद अपने भीतर की समृद्धि की तलाश में हिमालय के आंचल में आए हैं। उनमें नवविवाहित युगल, भरे–पूरे परिवार, प्रेमी युगल, विवाह को तिलांजलि देकर आई आत्मनिर्भर युवतियां और कुछ उम्रदराज महिलाएं भी शामिल रहीं। निस्संदेह, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा योग को मान्यता देने से इसकी स्वीकार्यता वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। लोग लगातार अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। निश्चित रूप से वे भारतीय योगदर्शन व योग परंपराओं को प्रमाणिक मानते हैं। ये विदेशी साधक मौजूदा दौर में आधुनिक चिकित्सा के साइड इफेक्ट को देखते हुए योग व प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि ले रहे हैं। वे हिमालय की जड़ी–बूटियों को आजमा रहे हैं। निस्संदेह, इससे भारत को योग की जन्मस्थली के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। साधक आसन, प्राणायाम व ध्यान के साथ योगदर्शन के आध्यात्मिक पक्ष से भी अवगत हो रहे हैं। सही मायनों में योग के अभ्यास हमारे मनोकायिक रोगों के उपचार में अचूक दवा का काम करते है। दरअसल,रोग हमारे मन की उलझनों से उपजे दोषों से भी पनपते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दिल व दिमाग को प्रदूषण से मुक्त करने के लिये योग साधना से सुकून हासिल करना उनकी प्राथमिकता है। वे हिमालय की शक्तियों व गंगा के महात्म्य को स्वीकार करते हुए वे आसपास के गंगा से जुड़े तीर्थों तक पहुंचते हैं। उन्हें देवप्रयाग का तीर्थाटन मंत्रमुग्ध कर गया। एक पूरे दिन वे अलकनंदा, भागीरथी व सरस्वती के संगम पर जल साधना के जरिये आध्यात्मिक साधना के अविस्मरणीय अनुभव हासिल करते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि भविष्य में भारत से सात्विक अहसास लिये ये साधक कालांतर अपने–अपने देशों में भारत के सांस्कृतिक दूत की भूमिका निर्वहन करेंगे। भारत की समृद्ध संस्कृति का अन्य देशों में प्रसार होगा। सही मायनों में कई प्रतिभागियों के लिए यह रिट्रीट हिमालयीय ज्ञान–विज्ञानों से रूबरू होने का पहला अनुभव था। हिमालय में एक ऐसा पवित्र स्थान जहां प्राचीन योगिक ज्ञान, ऊर्जा प्रक्रियाएं और चेतनाधारित साधनाएं अपने शुद्धतम रूप में मानव कल्याण के लिये प्रवाहित होती रही हैं। निस्संदेह, दुनियाभर से आए योग साधकों की भागीदारी हिमालयीय परंपरा में बढ़ते वैश्विक विश्वास और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की भागीदारी का प्रमाण है। दरअसल, इस बहु–स्तरीय हिमालयीय साधना में साधक प्रत्येक दिन शरीर, मन, ऊर्जा और चेतना के नए आयाम खोलने के प्रयास करते हैं।

कफ सिरफ काण्ड

अब ढ़ेर जानी के नींद उड़वलस,खूबे धूम मचवले बा सिरफवा।
खांसी,बलगम के का बात करी,डरने सुख गइल सीनवा के कफवघ ।।

पहिले यूपी,बिहार,झारखंड,रांची अब पहुंचल नेपाल बांग्लादेशवा।
दोषियन के त पता नइखे, लागेला ईहो भाग गइलें विदेशवा।।

रंगा,बिरला,टाटा नाम रख के, खूब लूटलें ई गुनाहगरवा।
विधायक,सांसद,माफियन के खास,आ उनके ही रिश्तेदरवा।।

मासूम,बेगुनाहन के जान लिहलें, और मार दिहलें ई हत्यरवा।
का केहू भरोसा करी जब, दवाईए बन जाता जहरवा।।

अब लागता की सिरफ पीके,सुत गइल बाटे बुलडोजरवा।
काहें नईखे अब कुर्की होत,और ढाहल जात इनके घरवा।।

कहां गइलें शासन,प्रशासन,और नौजवान पहरेदार,चौकीदरवा।
नईखे सम्हरात कुर्सी त,झूठे माला पहिन के दौड़ावेलन फॉर्च्यूनरवा।।

अब लागता की सिरफ पीके,सुत गइल बाटे बुलडोजरवा।
काहें नईखे अब कुर्की होत,और ढाहल जात इनके घरवा।।

आशीष कुमार सैनी
पुराछात्र
इलाहाबाद विश्वविद्यालय

रक्षा खरीददार से रक्षा साझेदार बन गया भारत

नीरज कुमार दुबे

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने ऊर्जा, रक्षा, परमाणु सहयोग, आतंकवाद–रोधी रणनीति और आर्थिक साझेदारी जैसे अनेक क्षेत्रों में नई दिशा दी है। यह यात्रा उस समय हुई जब अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे और भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बढ़ा रहा था। इस पृष्ठभूमि में पुतिन का संदेश स्पष्ट था कि रूस भारत के लिए ऊर्जा का "विश्वसनीय स्रोत" बना हुआ है और बना रहेगा। हम आपको बता दें कि च्ड मोदी और पुतिन की संयुक्त प्रेस वार्ता में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भारत की तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था को आवश्यक तेल, गैस और कोयले की निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और गैस भंडार वाला देश है और पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि पारंपरिक ऊर्जा से आगे बढ़कर दोनों देश परमाणु ऊर्जा में भी सहयोग बढ़ाएँगे जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट तथा चिकित्सा एवं कृषि क्षेत्र में परमाणु तकनीकों का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारत और रूस ने कुडनकुलम परमाणु परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और भारत में एक दूसरे परमाणु संयंत्र स्थल पर चर्चा आगे बढ़ाई। यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में निर्णायक योगदान देगा। इसके अलावा, इस यात्रा की सबसे रणनीतिक उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में संयुक्त निर्माण को बढ़ावा देना रही। रूस ने भारत में ही अपने हथियारों और सैन्य प्लेटफॉर्म्स के स्पेयर पार्ट्स और उपकरणों का उत्पादन करने पर सहमति दी। दोनों पक्षों ने उन्नत रक्षा प्रणाली के संयुक्त सह–विकास और सह–उत्पादन को पुनर्जीवित करने का निर्णय भी लिया। भारतीय सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए संयुक्त उद्यमों से तीसरे देशों को निर्यात की संभावना भी टटोली गई। हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब रूस ने स्पष्ट रूप से डांम पद प्दकपं के तहत अपने रक्षा परिवेश को भारत में शिफ्ट करने की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र बलों की यह लंबे समय से शिकायत रही है कि रूस से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की आपूर्ति में काफी समय लगता है, जिससे देश से खरीदी गई सैन्य प्रणालियों का रखरखाव प्रभावित होता है। इस संबंध में भारत और रूस द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से 'मेक–इन–इंडिया' कार्यक्रम के तहत रूसी हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए पुर्जों, घटकों और अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए।'' संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्ष भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने तथा पारस्परिक रूप से मित्रवत तीसरे देशों को निर्यात करने पर भी सहमत हुए। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत–रूस रक्षा साझेदारी को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त सह–विकास और सह–उत्पादन के लिए पुनः शुरू किया जा रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ाने के लिए रूस से एस–400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेपों की खरीद में गहरी रुचि दिखाई। इसके अलावा, भारत–रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाज़ार पहुँच देने पर सहमति जताई है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

देख दिसम्बर आ गया, मौसम बड़ा अनूप।
कुहरे की चादर लिए, ओढ़े लगती धूप।।
ओढ़े लगती धूप, ओस की बूँदें टपकी।
ओढ़ रजाई लेट, नींद की पल में झपकी।।
कहती रचना आज, देख लो धरती अम्बर।
बढती दिखती ठंड, सभी को देख दिसम्बर।।

अंबर में कुहरा घना, धरा गुनगुनी धूप।
जाड़े का मौसम यही, अनुपम जिसका रूप।।
अनुपम जिसका रूप, रजाई कंबल वाला।
पहने स्वेटर कोट, लगे जब गिरने पाला।।
कहती रचना आज, सताए ठंड दिसम्बर ।
मिले गुनगुनी धूप, उगे जब सूरज अंबर।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

मैं मूव ऑन कर रहा हूं.. क्रिकेटर संग नहीं हो रही पलाश मुच्छल की शादी, स्मृति मंधाना के बाद संगीतकार ने भी किया कंफर्म

स्मृति के बाद पलाश मुच्छल ने भी इस बात को कंफर्म कर दिया है। उन्होंने एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि वह मूव ऑन कर रहे हैं। स्मृति मंधाना के पोस्ट के कुछ समय बाद ही पलाश मुच्छल ने भी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा- मैंने लाइफ में मूव ऑन करने का फैसला कर लिया है और मेरे पर्सनल रिलेशनशिप से पीछे हटने का फैसला किया है।

संगीतकार और फिल्म निर्माता पलाश मुच्छल की महिला क्रिकेट टीम की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना के साथ शादी कैंसिल हो गई है। इस बात का खुलासा हाल ही में स्मृति ने एक पोस्ट के जरिए किया। वहीं, स्मृति के बाद पलाश मुच्छल ने भी इस बात को कंफर्म कर दिया है। उन्होंने एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि वह मूव ऑन कर रहे हैं। स्मृति मंधाना के पोस्ट के कुछ समय बाद ही पलाश मुच्छल ने भी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा– मैंने लाइफ में मूव ऑन करने का फैसला कर लिया है और मेरे पर्सनल रिलेशनशिप से पीछे हटने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि लोग किसी ऐसी चीज के बारे में बेबुनियाद अफवाहों पर इतनी आसानी से रिएक्ट करते हैं, जो मेरे लिए सबसे पवित्र रही है। उन्होंने लिखा–यह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वासों पर कायम रहकर इसे अच्छे से झेलूंगा। मैं सच में उम्मीद करता हूं कि हम एक समाज के तौर पर किसी को बिना वेरिफाई की गई गॉसिप के आधार पर जज करने से पहले रुकना सीखें, जिसके सोर्स कभी पता नहीं चलते। हमारे शब्द हमें ऐसे जख्म दे सकते हैं, जिन्हें हम कभी समझ नहीं पाएंगे। जब हम इन चीजों के बारे में सोचते हैं, तो दुनिया में कई लोग इसके गंभीर नतीजों का सामना कर रहे होते हैं। मेरी टीम झूठा और बदनाम करने वाला कंटेंट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त लीगल एक्शन लेगी। इस मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। कुछ देर पहले मंधाना ने अपने पोस्ट लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों से उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई तरह की बातें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि वे निजी स्वभाव की हैं और हमेशा अपनी प्राइवेट लाइफ को निजी ही रखना चाहती थीं, लेकिन अब यह स्पष्ट करना जरूरी हो गया है कि शादी टूट चुकी है। उन्होंने फैंस से आग्रह किया कि दोनों परिवारों की प्राइवेसी का सम्मान करें और उन्हें समय दें ताकि वे इस परिस्थिति से निपट सकें और आगे बढ़ सकें। स्मृति ने ये भी लिखा–मेरा मानना है कि हम सभी को एक ऊंची ताकत दिशा देती है। मेरे लिए वह हमेशा भारत का प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझसे जितना लंबे समय तक संभव हो सके, अपने देश के लिए खेलना और ट्रॉफियां जीतना चाहती हूं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि पलाश मुच्छल और स्मृति मंधाना 23 नवंबर को शादी करने वाले थे, लेकिन क्रिकेटर के पिता की तबीयत खराब होने के बाद उनकी शादी अचानक पोस्टपोन हो गई। बाद में कई तरह की बातें उठीं, लेकिन दोनों परिवारों के लोग चुप्पी साधे रहे। बता दें कि स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल दोनों काफी लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। इतना ही नहीं, पलाश ने स्टेडियम में स्मृति को खुले तौर पर शादी के लिए रिंग पहनाकर प्रपोज भी किया था। दोनों की शादी की रस्में 21 नवंबर से शुरू हो चुकी थीं।

पेरेंट्स बनने के एक महीने बाद विक्की-कैटरीना के घर फिर खुशियों ने दी दस्तक, खरीदी करोड़ों की लग्जरी कार

एक्टर विक्की कौशल और पत्नी कैटरीना कैफ ने एक महीने पहले ही अपने बेटे का स्वागत किया था। पैरेंटहुड की इस नई शुरुआत के बीच कपल ने एक नया टॉय खरीदा है। विक्की–कैट ने हाल ही में एक लग्जरी कार खरीदी है, जिसकी कीमत लोगों को काफी हैरान कर रही है। विक्की और कैटरीना ने हाल ही में स्म•ने स्ड350ी 4 मॉडल खरीदा है, जिसकी कीमत लगभग 3.20 करोड़ है। इस शानदार गाड़ी के साथ उनकी कई वीडियो भी वायरल हो रही हैं। पिछले हफ्ते मुंबई में एक इवेंट के बाद विक्की अपनी नए लग्जरी कार में नजर आए, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने नवंबर में अपने बेटे का स्वागत किया था। इंस्टाग्राम पर कपल ने एक प्यारा–सा संदेश लिखकर यह खुशखबरी शेयर की थी– "हमारा नन्हा बच्चा आ गया है। दिल में उमड़ रही खुशी और कृतज्ञता के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। दोनों की पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो में हुई थी। कुछ समय तक चुपचाप डेटिंग करने के बाद, कपल ने 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंसिस फोर्ट बड़वारा में शाही अंदाज में शादी की। अब जल्द ही कपल की वेडिंग एनिवर्सरी भी आने वाली है।

कार्तिक की बहन कृतिका की हुई ड्रीमी वेडिंग, शादी में आगे-आगे भाई के फर्ज निभाते दिखे एक्टर

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन पिछले कुछ दिनों से काफी लाइमलाइट में बने हुए हैं। वजह कोई उनकी फिल्म नहीं, बल्कि फैमिली वेडिंग है, जहां एक्टर अपने डांस वीडियोज और परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचते नजर आए। हालांकि, अब कार्तिक की बहन कृतिका तिवारी शादी के बंधन में बंध चुकी हैं, जिसकी तस्वीरें एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक बेहद भावुक नोट भी लिखा है। कार्तिक की बहन कृतिका तिवारी 4 दिसंबर 2025 को ग्वालियर के उषा किरण पैलेस में धूमधाम से शादी के बंधन में बंधी। इस शादी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा–समय धीरे–धीरे हमारी जिंदगी को बदल देता है। आज का दिन भी कुछ ऐसा ही था। अपनी कीकी को दुल्हन बनते देखकर लग रहा है, जैसे कई साल एक ही पल में सिमट गए। उन्होंने आगे लिखा, कीकी, मैंने तुम्हें एक छोटी बच्ची की तरह बढ़ते हुए देखा है, जो हर जगह मेरे पीछे–पीछे घूमती थी। आज तुम एक खूबसूरत, मजबूत और खुश दुल्हन बनकर अपनी नई जिंदगी की ओर बढ़ रही हो। कीकी, तुम जैसी हो, मुझे तुम पर गर्व है। बचपन की हमारी हंसी, लड़ाइयां, राज और हर याद के लिए मैं दिल से शुक्रगुजार हूं। आज जब तुम आगे चल रही थी, तो मेरा दिल तुम्हारे साथ ही था। अब तुम भले ही एक नए जीवन में आगे बढ़ रही हो, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा छोटी बहन ही रहोगी और मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि तुम इतने सच्चे, अनमोल और केयरिंग इंसान के साथ हो। तस्वीरों में देखा जा सकता है कृतिका की शादी किसी ड्रीमी वेडिंग से कम नहीं रही। उन्होंने अपने शादी में बेज कलर का खूबसूरत लहंगा पहना। दूल्हे राजा भी मैचिंग कलर की शेरवानी में दुल्हन संग ट्विनिंग करते दिखे। वहीं, कार्तिक आर्यन व्हाइट शेरवानी सेट में काफी हैंडसम दिखे और अपनी बहन की शादी में भाई के सारे फर्ज अदा करते नजर आए। फैंस एक्टर द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। बता दें कि कृतिका एक्टर कार्तिक की छोटी बहन हैं। दोनों एक दूसरे के काफी क्लोज रहे हैं और सोशल मीडिया के जरिए वे अपना बॉन्ड शेयर करते रहते हैं। काम की बात करें तो, कार्तिक आर्यन बेहद जल्द एक्ट्रेस अनन्या पांडे के साथ जल्द ही तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्लैक बनारसी साड़ी में मॉम-टू-बी सोनम कपूर का रॉयल लुक, बेबी बंप पर हाथ रख दिए खूबसूरत पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही पति आनंद आहूजा संग अपने दूसरे बेबी का स्वागत करेंगी। इससे पहले हाल ही में एक्ट्रेस ने एक शानदार मैटरनिटी फोटोशूट करवाया, जिसमें वह खुलकर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। अब उनकी ये खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। दरअसल, शुक्रवार को मुंबई में नीता अंबानी द्वारा आयोजित स्वदेश कार्यक्रम में सोनम कपूर बेहद स्टाइलिश अवतार में पहुंची, जहां उन्होंने पैपराजी को जमकर पोज दिए और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ अपना बंप फ्लॉन्ट किया। मिनिमल मेकअप, कानों में गोल्डन इयररिंग्स और स्लीक बन से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है और उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो खूब चमक रहा है। अपने बेबी बंप पर हाथ रख सोनम पूरे ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ पोज दे रही हैं। फैंस सोनम की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। बता दें, सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने साल 2018 में शादी रचाई थी और फिर साल 2022 में एक प्यारे बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने श्वायुश रखा है। वहीं, अब वायु के जन्म के तीन साल बाद अब यह कपल अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने को तैयार है।

जल्द ओटीटी पर रिलीज हो रहा है 'फोर मोर शॉट्स' का फाइनल सीजन, शरारत और पागलपन से भरी है सीरीज, कब और कहां देखें?

फोर मोर शॉट्स प्लीज!सीरीज का पहला सीजन साल 2019 में आया था जिसे काफी पसंद किया गया था। यह सीरीज इंटरनेशनल एमी–नॉमिनेटेड हो चुकी है। इसके तीन सीजन सीजन आ चुके हैं और अब चौथा सीजन रिलीज को तैयार है। लंबे इंतजार के बाद फोर मोर शॉट्स का फाइनल सीज़न आखिरकार तीन साल बाद रिलीज़ होने जा रहा है। दर्शक काफी समय से इसके आखिरी सीजन की इंतजार कर रहे थे। अब यह भी साफ हो गया है कि यह ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर किस तारीख से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा। 5 दिसंबर को मेकर्स ने फोर मोर शॉट्स प्लीज के फाइनल सीजन की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

कब और कहां देखें फोर मोर शॉट्स सीजन 4

चौथे सीजन में भी सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू ने वापसी की है। इसके साथ ही इस सीरीज में प्रतीक स्मिता पाटिल, मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, लीजा रे और अंकुर राठी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फोर मोर शॉट्स प्लीज!वेब सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 दिसंबर से स्ट्रीम होगी। यह सीरीज प्रितीश नंदी कम्युनिकेशंस ने बनाई है, जिसे रंगिता प्रितीश नंदी और इशिता प्रितीश नंदी ने क्रिएट किया है। फोर मोर शॉट्स प्लीज सीजन 4 का डायरेक्शन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मत्यानी ने किया है।

फोर मोर शॉट्स प्लीज सीजन 4 की कहानी क्या होगी?

यह सीरीज अपने आखिरी पड़ाव पर है, वहीं हंगामा लेकर फोर मोर शॉट्स प्लीज लौट रही है। इस बार सीरीज में असली दोस्ती, बिन झिझक आजादी और औरतों की कशमश के इर्द–गिर्द घूमेगी। एक बार फिरसे इन चार लड़कियों का पागलपन और शरारत भरी चीजों से दर्शकों का दिल चुराएंगी। ट्रेवल गोल्स के साथ चारों की दोस्ती का टेस्ट किया जाएगा। इस बार सीरीज में फुल ड्रामा और सस्पेंस देखने को मिलेगा।

क्या आरती की दिशा बदलती है ऊर्जा का प्रवाह? जानें कारण

सनातन धर्म में भगवान की पूजा और आराधना पूरी विधि–विधान से करने का विधान है। मंदिरों में जब पुजारी आरती करते हैं, तो वे पूजा की थाली को दक्षिणावर्त यानी घड़ी की दिशा में घुमाते हैं। इसके पीछे सिर्फ धार्मिक परंपरा ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और आध्यात्मिक कारण भी छिपे हैं।

प्राकृतिक लय के साथ घुमाई जाती है आरती

हिंदू संस्कृति में आरती को दक्षिणावर्त घुमाने को प्रकृति के क्रम से जोड़ा गया है। जैसे पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है, सूर्य भी इसी दिशा में उदय और अस्त होता है, और घड़ी की सुई इसी दिशा में बढ़ती है। इसलिए आरती को भी इस प्राकृतिक लय के अनुरूप घुमाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि विपरीत दिशा में घुमाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रुक सकता है।

दाहिना भाग होता है पवित्र

हिंदू परंपरा में शरीर का दाहिना भाग शुभ माना जाता है। इसी कारण मंदिरों में परिक्रमा हमेशा दाहिनी दिशा में की जाती है और पूजा के समय प्रसाद, जल, पुष्प या आशीर्वाद दाहिने हाथ से अर्पित किया जाता है। आरती के दौरान दक्षिणावर्त घुमाने का अर्थ यह होता है कि भगवान भक्त के दाहिने पक्ष में स्थित हैं, जो आदर और समर्पण का प्रतीक है।

सकारात्मक ऊर्जा जगाने की क्रिया

आरती केवल दीपक घुमाने की क्रिया नहीं है, बल्कि यह पूरे मंदिर में दिव्य ऊर्जा फैलाने का माध्यम भी है। जब भक्त आरती की ज्योति को हाथों से स्पर्श कर आंखों पर लगाते हैं, तो यह आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा उनके भीतर प्रवेश करती है।

आरती की थाली कैसे घुमाएं

शास्त्रों में आरती की थाली को घड़ी की दिशा में यानी दक्षिणावर्त घुमाने की विशेष विधि बताई गई है। कुल 14 बार थाली घुमाना चाहिए, जिसमें चरणों के आगे 4 बार, नाभि के सामने 2 बार और मुख भाग पर 1 बार घुमाना शामिल है। यह पूरा क्रम 14 लोकों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक माना जाता है।

नए फैशन ट्रेंडः साड़ी के साथ पहनें ये आर्टिफिशियल चोकर, हर कोई करेगा तारीफ

अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हम सभी ट्रेडिशनल आउटफिट स्टाइलिश बनाने के लिए ज्वेलरी जरुर वियर करते हैं। पार्टी से लेकर शादी फंक्शन में तहलका मचाने के लिए परफेक्ट ज्वेलरी होना बेहद जरुरी होता है। अगर आप अपनी आउटफिट के साथ हैवी ज्वेलरी के जगह कुछ अलग तरह की ज्वेलरी को स्टाइल करना चाहते हैं, तो इस तरह के आर्टिफिशियल डिजाइन वाले चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इन चोकर सेट को देखकर सब आपकी तारीफ करेंगे। इसके डिजाइन ऑप्शन आपको कई सारे मिल जाएंगे।

रेड एंड व्हाइट पर्ल डिजाइन चोकर नेकलेस सेट

अट्रैक्टिव के साथ सुंदर दिखने के लिए आप चोकर सेट को वियर कर सकते हैं। इस तरह के चोकर सेट आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन स्टोर से खरीद सकते हैं। यह चोकर सेट एकदम रॉयल और काफी क्लास नजर आ रहा है। इसको आप साड़ी के साथ भी वियर कर सकते हैं।

हैवी वर्क वाला चोकर नेकलेस सेट

आप अपने लुक को रॉयल टच देने के लिए हैवी वर्क वाले चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। ऐसे नेकलेस सेट पहनने के बाद बेहद खूबसूरत लगते हैं और इनमें आपको भगवान की आकृति वाले आकर्षक डिजाइन भी मिल जाते हैं। इसी तरह के डिजाइन में इयररिंग्स भी उपलब्ध होते हैं, जिससे पूरा सेट और भी खूबसूरत दिखाई देता है। आप मार्केट से इसे आर्टिफ़िशियल डिजाइन में खरीदकर आसानी से साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

बीड्स डिजाइन वाला आर्टिफिशियल चोकर नेकलेस सेट

साड़ी को क्लासी लुक देने के लिए आप वीड्स डिजाइन वाले चोकर सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इस सेट में आपको जाली वर्क और गोल्डन पर्ल लुक मिल रहा है। यह चोकर सेट ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकते हैं।

मल्टी कलर वाला आर्टिफिशियल चोकर नेकलेस सेट

साड़ी के साथ पहनने के लिए आप आर्टिफ़िशियल मल्टीकलर चोकर नेकलेस सेट को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें हर स्टोन में अलग–अलग रंग का खूबसूरत संयोजन मिलता है और इसके साथ गोल्डन टच भी दिया गया है, जिससे नेकलेस और ज्यादा आकर्षक लगता है। इस तरह का सेट आपके लुक को एलीगेंट बनाता है, इसलिए इसे आप जरूर ट्राई कर सकती हैं।

केमिकल वाले केले की पहचान कैसे करें? घर पर ही ऐसे पहचानें

बाजार में मिलने वाले फलों में मिलावट और केमिकल का इस्तेमाल लगातार बढ़ता जा रहा है। खासकर केले, जिन्हें जल्दी पकाने के लिए कार्बाइड या एथिलीन गैस का उपयोग किया जाता है। ऐसे केले दिखने में तो ताजे और चमकदार लगते हैं, लेकिन सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं। इनसे शरीर में जहरीले रसायन जा सकते हैं, जिससे पेट खराब, सिरदर्द, उल्टी, चक्कर, सांस लेने में दिक्कत और लंबे समय में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसीलिए जरूरी है कि आप केमिकल से पके केले की पहचान करना सीखें, ताकि परिवार की सेहत सुरक्षित रहे। यहां जानिए तीन बेहद आसान लेकिन भरोसेमंद तरीके।

केले का रंग और चमक देखकर पहचानें

अगर केले बहुत ज्यादा पीले, चिकने और असामान्य रूप से चमकदार दिखते हैं, तो समझ लीजिए कि यह नैचुरल तरीके से नहीं पके हैं। कार्बाइड से पके केले का रंग एक जैसा होता है पूरी तरह पीलापन और हल्का सुनहरा। जबकि प्राकृतिक रूप से पकने वाले केले का रंग थोड़ा–थोड़ा अलग होता है, यानी कहीं हल्का, कहीं गहरा पीला। इसके अलावा नैचुरल केले की सतह थोड़ी खुरदरी और धब्बेदार होती है। उनमें हल्के भूरे धब्बे दिखना सामान्य है। अगर केले हाथ में लेते ही बहुत मुलायम हो जाएं या छिलका दबाने पर फिसलन महसूस हो, तो समझ लें कि वह केमिकल से जल्दी पकाए गए हैं।

केले को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए अपनाएं ये 3 सरल उपाय

केले के सिरे (डंठल) को ध्यान से देखें

केमिकल से पके केले का सबसे बड़ा संकेत उसका डंठल यानी ऊपर का हिस्सा होता है। अगर पूरे केले का पीला रंग एक जैसा है, लेकिन डंठल काला, सूखा और सिकुड़ा हुआ है, तो यह लगभग तय है कि उस पर कार्बाइड या एथिलीन का इस्तेमाल हुआ है। प्राकृतिक रूप से पके केले में डंठल हल्का हरा या हल्का पीला रहता है और उसमें थोड़ी नमी दिखती है। वह पूरी तरह काला या सड़ा हुआ नहीं होता। इसके अलावा रसायन से पकाए गए केले का छिलका पतला और जल्दी फटने वाला होता है, जबकि नैचुरल केले का छिलका थोड़ा मोटा और मजबूत रहता है।

केले की स्मेल और स्वाद से पहचानें

केमिकल से पकाए हुए केले की खुशबू हल्की, कृत्रिम और कभी–कभी बिल्कुल न के बराबर होती है। वहीं नैचुरल केले में एक मीठी, ताजी और तेज सुगंध आती है। स्वाद में भी फर्क साफ महसूस होता है रसायन वाले केले अंदर से कच्चे, बेस्वाद या हल्का कड़वाहट लिए हुए होते हैं। कई बार बाहरी हिस्सा पीला दिखता है, लेकिन अंदर गूदा सख्त और सफेद होता है। अगर केले मुंह में जाते ही मुलायम होकर चिपचिपे लगें, तो यह भी तेजी से पकाने वाले केमिकल का संकेत है।

सेहत बचाने के लिए क्या करें?

हमेशा थोड़े कच्चे, हरे और पीले मिक्स रंग वाले केले खरीदें। बहुत ज्यादा चमकदार या साबुत एक समान पीले केले बिल्कुल न लें। केले घर लाने के बाद 1,2 दिन सामान्य तापमान पर रखें, ताकि वे नैचुरली पकें। संभव हो तो विश्वसनीय दुकानदार या ऑर्गेनिक स्टोर से खरीदें।

दमकती स्किन पाने की इच्छा तो हम सभी की होती है, लेकिन इसके लिए आपको बहुत अधिक समय व पैसा खर्च करने की जरूरत महसूस होती है। हालांकि, यह पूरी तरह से सच नहीं है। अगर आप रात में सोने से पहले अपनी स्किन की केयर में कुछ वक्त बिताती हैं तो सुबह उठते ही आपका चेहरा एकदम फ्रेश व ग्लोइंग नजर आने लगता है। दरअसल, रात का समय स्किन के लिए काफी अहम् होता है। चूंकि, दिनभर में धूप, धूल, पसीना और प्रदूषण हमारी स्किन को काफ़ी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में अगर रात में स्किन की सही तरह से देखभाल की जाए तो ऐसे में स्किन को खुद को ठीक करने और दोबारा हेल्दी, फ्रेश व ग्लोइंग बनने का मौका मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही नाइट ब्यूटी हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी स्किन को दमकाने में मदद करेगा–

सबसे पहले चेहरा अच्छे से करें क्लीन

दिनभर की धूल, पसीना, मेकअप अक्सर चेहरे को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, यह जरूरी है कि आप सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह क्लीन करें। अगर चेहरा ठीक से साफ नहीं होगा तो सुबह चेहरे पर पिंपल निकल सकते हैं। चेहरे को क्लीन करने के लिए आप कॉटन पैड में थोड़ा गुलाबजल या नारियल तेल लगाएं और मेकअप व गंदगी को साफ कर लें। उसके बाद, एक हल्के फेस वॉश से चेहरा धो लो।

करें डबल क्लींज

यह जरूरी है कि आप रात में सोने से पहले अपनी स्किन को डबल क्लींज कर लें। जब आप डबल क्लींजिंग करते हैं तो इससे ना केवल गंदगी व धूल साफ होती है, बल्कि वाटरप्रूफ मेकअप को क्लीन करने में भी काफी मदद मिलती है। जब चेहरा गहराई तक क्लीन हो जाता है, तो अगले दिन चेहरा दमकने लगता है।

जरूर लगाएं टोनर

आप अपनी स्किन को क्लीन करने के बाद टोनर लगाना ना भूलें। इसके लिए आप गुलाबजल, खीरे का पानी, या ग्रीन टी टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे बाद में लगाई जाने क्रीम स्किन पर बेहतर तरीके से असर करती है। टोनर के बाद आप अपनी स्किन पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें।

अंडर आई एरिया पर भी दें ध्यान

आंखों के नीचे के हिस्से पर खासा ध्यान दें। यह हिस्सा बहुत नाजुक होता है। इस एरिया का ख्याल रखने के लिए आप थोड़ा एलोवेरा जेल या हल्का अंडर–आई क्रीम लगाओ। इससे ना केवल सूजन कम होती है, बल्कि डार्क सर्कल्स भी कम होते हैं।

सप्ताह में 2–3 बार ओवरनाइट मास्क लगाओ

अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए बेहद जरूरी है कि आप रात में सोने से पहले ओवरनाइट मास्क लगाएं। आप सप्ताह में दो से तीन बार इस मास्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप मार्केट में मिलने वाले ओवरनाइट मास्क लगा सकती हैं या फिर खुद घर पर भी एलोवेरा जेल या होममेड आइटम्स से स्लीपिंग मास्क बनाएं।

पैर दिखेंगे बेहद हसीन, स्टोन वर्क वाली ये बिछिया लगाएंगी आपके लुक में चार चांद

जब भी महिलाएं तैयार होती हैं, तो अक्सर वह अलग–अलग तरह की डिजाइन वाली ज्वेलरी को वियर करती हैं। जिससे कि उनका लुक सबसे अच्छा लगे। ऐसे में आप अपने पैरों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए स्टोन वर्क डिजाइन वाली बिछिया को स्टाइल कर सकती हैं। बता दें कि इस तरह की डिजाइन वाली बिछिया पहनने के बाद काफी अच्छी लगेंगी। साथ ही आपके पैरों की रौनक और सुंदरता भी बढ़ जाएगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ स्टोन वर्क डिजाइन वाली बिछिया के बारे में बताने जा रहे हैं। पैरों की सुंदरता बढ़ाने के लिए आप गोल्डन स्टोन बिछिया डिजाइन वियर कर सकती हैं। इस तरह की बिछिया पहनने के बाद आपके पैर अच्छे नजर आएंगे। वहीं मार्केट में आपको आसानी से इस तरह की बिछिया मिल जाएंगी। आप चाहें तो इसको रोजाना पहन सकती हैं।

ईवल आई स्टोन बिछिया डिजाइन

अगर आप कुछ ट्रेंडी डिजाइन वाली बिछिया पहनने की सोच रही हैं, तो आप ईवल आई स्टोन बिछिया डिजाइन ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की बिछिया पहनने से पैरों की रौनक बढ़ जाती है। आप इनको कभी भी पहन सकती हैं।

व्हाइट स्टोन बिछिया करें स्टाइल

अगर आप अपने लुक को क्रिएटिव बनाना चाहती हैं, तो आप व्हाइट स्टोन डिजाइन वाली बिछिया कैरी कर सकती हैं। इस तरह की बिछिया पहनने के बाद आपके पैरों की खूबसूरती बढ़ जाएगी। वहीं इस तरह की बिछिया सबसे सिंपल लेकिन अलग डिजाइन में आसानी से मिल जाएगी। जिसको आप रोजाना पहनने के लिए खरीद सकती हैं। जिससे आपका लुक काफी अच्छा नजर आए। आप इस तरह की बिछिया को किसी को गिफ्ट भी कर सकती हैं।

रेड स्टोन डिजाइन वाली बिछिया

आप रेड स्टोन बिछिया को भी पैरों में पहन सकती हैं। इस तरह की बिछिया पहनने के बाद काफी अच्छी लगेंगी और आपके पैरों की सुंदरता भी बढ़ जाएगी। आप डिजाइन के लिए किसी भी तरह की शेप ले सकती हैं। जिससे कि पहनने के बाद आपके पैर अच्छे नजर आएं। आप इस तरह की बिछिया छोटे और बड़े दोनों तरह की डिजाइन में खरीद सकती हैं। मार्केट में आपको इस तरह के डिजाइन वाली बिछिया आसानी से मिल जाएंगी।

ग्रीन स्टोन डिजाइन वाली बिछिया

पैरों को अधिक खूबसूरत दिखाने के लिए ग्रीन स्टोन वाली बिछिया कैरी कर सकती हैं। इस तरह की बिछिया पहनने के बाद काफी अच्छी लगेंगी। इसमें फूल डिजाइन के साथ स्टोन वर्क मिलेगा। यह बिछिया पहनने के बाद आपके पैर अट्रैक्टिव दिखाई देंगे। इस तरह की बिछिया चांदी और ऑक्सीडाइज दोनों तरह में मिल जाएंगी।

व्हाइट और पिंक स्टोन वाली बिछिया

आप व्हाइट और पिंक स्टोन वाली बिछिया को पैरों में पहन सकती हैं। इस तरह की बिछिया पहनने के बाद काफी अच्छी लगती हैं और पैरों की भी खूबसूरती बढ़ जाएगी। मार्केट में आपको बिछिया के अलग–अलग डिजाइन ऑप्शन आसानी से मिल जाएंगी।

संक्षिप्त

Indigo ने बिगाड़ा मूड? 800 अंक टूटा सेंसेक्स, डिफेंस शेयरों में भूचाल

8 दिसंबर को भारतीय शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग में भारी गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांकों में लगभग 1प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में 2प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 800 अंक या लगभग 1प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,875.59 के निचले स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 1प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,892.25 के निचले स्तर पर आ गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई क्योंकि बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में सत्र के दौरान 2प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 471 लाख करोड़ से घटकर घ्464 लाख करोड़ से नीचे आ गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में घ्7 लाख करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ। 9 दिसंबर से शुरू होने वाली अमेरिकी फेड की दो दिवसीय बैठक से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा कि आगामी एफओएमसी बैठक, अतिरिक्त मुद्रास्फीति आंकड़ों और साल के अंत में पोर्टफोलियो समायोजन से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा और स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंकों की भी इसी हफ्ते बैठक होने वाली है, हालाँकि फेड के बाहर किसी नीतिगत बदलाव की उम्मीद नहीं है। शेयर बाजार में गिरावट के साथ हो रहे कारोबार के बीच संकट में फंसी इंडिगो एयरलाइन की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 9 फीसदी तक टूट गया. ये एयरलाइन स्टॉक अपने पिछले बंद 5,367.50 रुपये के लेवल से टूटकर 5,110 रुपये पर खुला और फिर सेंसेक्स–निफ्टी की तरह फिसलता ही चला गया।

रुपया शुरुआती कारोबार में 16 पैसे टूटकर 90.11 प्रति डॉलर पर

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.11 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कंपनियों, आयातकों और विदेशी निवेशकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग ने रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.07 पर खुला। फिर 90. 11 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.95 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.88 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 215.73 अंक की गिरावट के साथ 85,741.24 अंक पर और निफ्टी 64.85 अंक फिसलकर 26,121.60 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.85 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 438.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ईयू का प्रतिनिधिमंडल एफटीए के मुद्दे पर मंत्री पीयूष से मिला

भारत आए यूरोपीय संघ (ईयू) का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हुई वार्ता की प्रगति पर चर्चा करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्ष यथाशीघ्र वार्ता को मुकाम पर पहुंचाने के इच्छुक हैं। यूरोपीय संघ व्यापार महानिदेशालय की महानिदेशक सबाइन वेयंड के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल वस्तुओं और सेवाओं से संबंधित मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए यहां आया है। दोनों पक्षों ने वार्ता को साल के अंत तक नतीजे पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अधिकारी ने बताया, ''यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को भारत केवाणिज्य एवं उद्योग मंत्री मिलेगा।'' उन्होंने बताया कि इस्पात, कार्बन कर, वाहन और गैर–शुल्क अवरोध जैसे कुछ मुद्दों पर अब भी मतभेद बने हुए हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। जून 2022 में भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ (ईयू) समूह ने आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद व्यापक मुक्त व्यापार समझौता, निवेश सुरक्षा समझौता और भौगोलिक संकेतों (जीआई टैग)पर समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की। यह वार्ता 2013 में विभिन्न वस्तुओं के लिए एक दूसरे के बाजारों को खोलने को लेकर उत्पन्न गतिरोध के कारण रुक गई थी।

इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी की: सरकार

इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। सरकार ने कहा कि देश का विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे। सरकार ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया था कि रद्द उड़ानों से संबंधित टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक पूरा किया जाए और यात्रियों के छूटे हुए सामान को अगले 48 घंटे के भीतर उन तक पहुंचाया जाए। मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के हालिया परिचालन संकट के कारण उत्पन्न व्यवधान को दूर करने के लिए तेज और प्रभावी कदम उठाए गए हैं, ताकि यात्रियों को आगे कोई असुविधा न हो। नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा, इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

शुभमन गिल की वजह से संजू सैमसन टी20 टीम से हुए बाहर? कप्तान सूर्यकुमार ने बताई असली वजह

कटक। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कटक में खेले जाने वाले पहले टी20 मैच से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम चयन को लेकर बड़ा बयान दिया। उनकी बातों ने शुभमन गिल और संजू सैमसन को लेकर चल रही बहस को और गर्म कर दिया है। टीम इंडिया ने गिल को ओपनर के रूप में उतारने का फैसला किया है और इस वजह से सैमसन फिलहाल प्लेइंग इलेवन से बाहर हैं। सूर्यकुमार ने बताया कि यह फैसला सिर्फ फॉर्म नहीं, बल्कि टीम कॉम्बिनेशन और गिल की वापसी को ध्यान में रखकर लिया गया है।

गिल की वापसी और ओपनिंग स्लॉट पर कब्जा

शुभमन गिल करीब एक साल बाद एशिया कप के जरिये टी20 फॉर्मेट में लौटे। इस दौरान वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट पर फोकस कर रहे थे और टीम मैनेजमेंट उन्हें अगला ऑल–फॉर्मेट स्टार मानता है। गिल को टी20 टीम में वापस बुलाया गया और उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई है। सूर्यकुमार ने कहा, श्संजू की बात करें तो, जब वह टीम में आए, तो उन्होंने ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी की। अब बात यह है कि सलामी बल्लेबाजों के अलावा, मुझे लगता है कि बाकी सभी को लचीला होना होगा। उन्होंने पारी की शुरुआत करते हुए वाकई अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन शुभमन उनसे पहले श्रीलंका सीरीज में खेल चुके थे और ओपनिंग की थी, इसलिए वह उस जगह के हकदार थे। उन्हें वह जगह वापस मिलनी चाहिए थी।श गिल ने फरवरी 2023 में टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी जड़ा था, इसलिए चयनकर्ताओं का मानना है कि उन्हें दोबारा लंबा मौका मिलना चाहिए।

संजू सैमसन की स्थितिरू प्लान में हैं पर एक्सपेक्टेशन अलग

संजू ने अक्तूबर–नवंबर 2024 में ओपनिंग करते हुए धमाकेदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पांच पारियों में तीन शतक बनाकर उन्होंने टीम में अपनी जगह पक्की की थी, लेकिन जैसे ही गिल टीम में लौटे, सैमसन को मिडल ऑर्डर में भेज दिया गया। मिडल ऑर्डर में उन्हें लगातार परफॉर्म करने का मौका नहीं मिला और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह संघर्ष करते दिखे। अब उन्हें जितेश शर्मा के साथ फिनिशर के रूप में देखा जा रहा है। पिछले तीन टी20 मैचों में तो सैमसन को बैठाकर जितेश को ही मौका दिया गया। सूर्यकुमार ने कहा, ओपनर को छोड़कर हर खिलाड़ी को किसी भी नंबर पर खेलने के लिए तैयार रहना होगा।

जितेश शर्मा अे सैमसन : नया चयन सिरदर्द

आईपीएल 2025 में आरसीबी के लिए फिनिशर की भूमिका में चमके जितेश शर्मा अब टीम मैनेजमेंट के लिए नया विकल्प बनकर उभरे हैं। हालांकि, इस समय उनकी फॉर्म कुछ खास नहीं है, लेकिन टीम उन्हें नीचे के क्रम में पावर हिटर के रूप में देख रही है। सूर्यकुमार ने इस स्थिति को अच्छा सिरदर्द बताया। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, श्हमने संजू सैमसन को मौके दिए, वह किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी के लिए तैयार थे। यह देखकर अच्छा लगता है कि कोई खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए तैयार है। तीसरे से छठे क्रम तक, कहीं भी। मैंने सभी बल्लेबाजों से यही कहा है, सलामी बल्लेबाजों के अलावा, सभी को लचीला होना होगा। दोनों (जितेश और सैमसन) ही टीम की योजना का हिस्सा हैं। दोनों का टीम में होना हमेशा अच्छा होता है। एक पारी की शुरुआत कर सकता है, दूसरा निचले क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। दोनों सभी भूमिकाएं निभा सकते हैं। यह हमारी टीम के लिए एक अहमियत है और एक अच्छा सिरदर्द भी है।

टीम का स्पष्ट लक्ष्य– टी20 वर्ल्ड कप 2026

भारत अगले साल फरवरी–मार्च में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले कुल 10 टी20 मैच खेलेगा। टीम अब ज्यादा बदलाव करने के मूड में नहीं है। सूर्यकुमार ने साफ कहा कि अब उसी टीम को बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है, जो टीम वर्ल्ड कप में उतरेगी। अभी सिर्फ खेलने की स्टाइल पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अगली सीरीज में भी हम ज्यादा कुछ नहीं बदलना चाहते। बस एक ही चीज है कि हम किस तरह का क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसका हम हर सीरीज से पहले आकलन करने की कोशिश करते हैं। हम और कुछ नहीं बदलना चाहते।

खिलाड़ियों की फिटनेस अपडेट

भारतीय टी20 टीम में शुभमन गिल की वापसी हो चुकी है। वह गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या की भी एशिया कप के बाद पहली बार टी20 में वापसी हुई है। टीम कटक में आज दोपहर डेढ़ बजे से साढ़े चार तक प्रैक्टिस करेगी ताकि पिच और कंडीशन्स को समझ सके।

रोहित–कोहली ने बताया– उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम इंडिया अब भी Ro-Ko की है!

नई दिल्ली। कुछ महीने पहले तक सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में चर्चा थी कि क्या टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी भी भारत की वनडे टीम में फिट बैठते हैं? न तो ये दोनों घरेलू टूर्नामेंट्स खेलते हैं और न ही 2027 वनडे विश्व कप को लेकर कमिटमेंट दे पा रहे हैं। ऐसे में बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने रोहित और कोहली के भविष्य पर बात करने के लिए मीटिंग तक बुला ली। बात हुई कि क्या नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को मौका देने के लिए इन दोनों लेजेंड्स को किनारे किया जाना चाहिए? लेकिन पिछले दो सीरीज ने ये साफ कर दिया है कि क्लास कभी आउटडेटेड नहीं होती और अनुभव पर शक करना विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी गलती होती है।

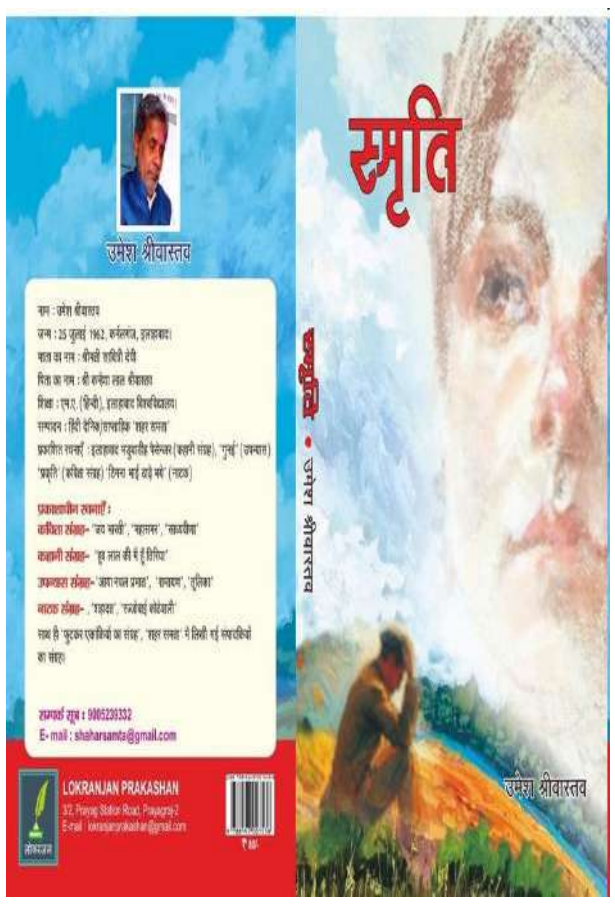

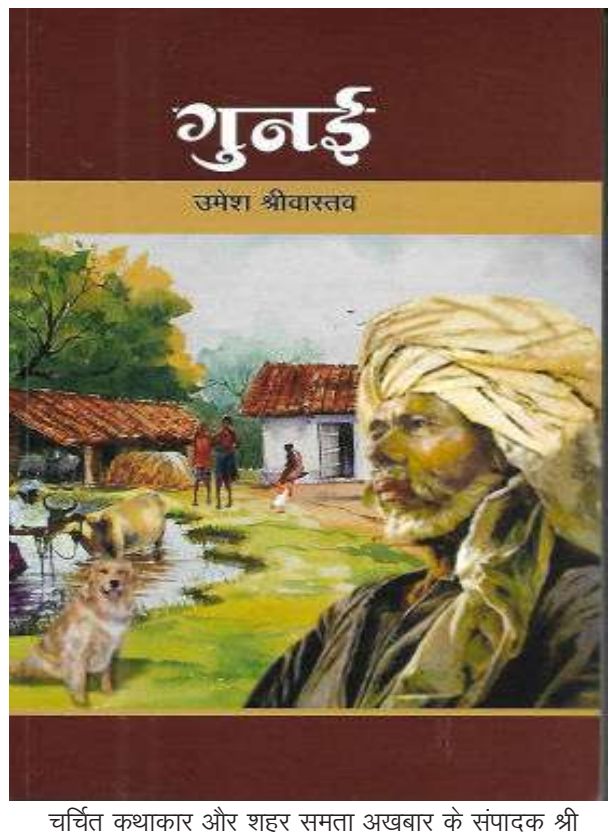

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

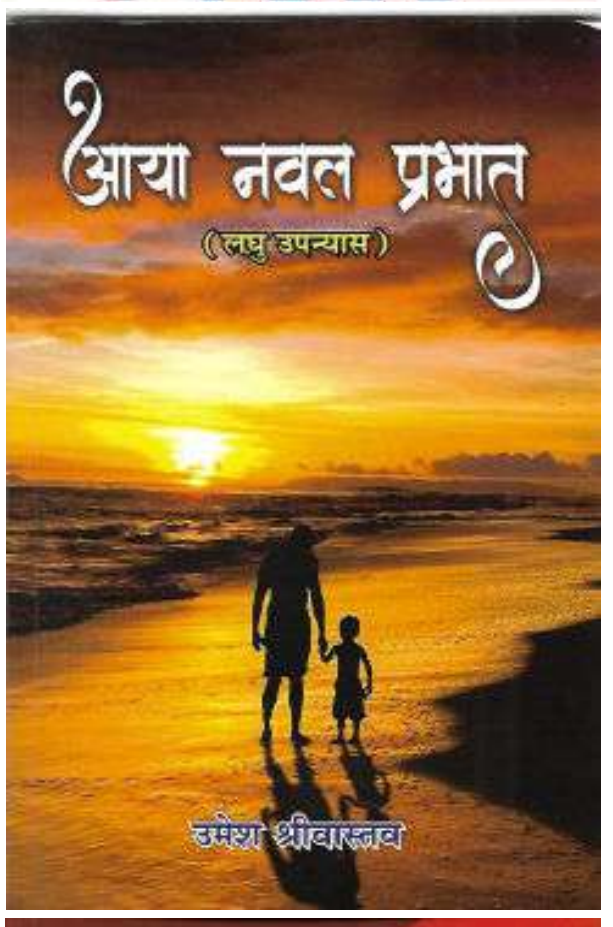

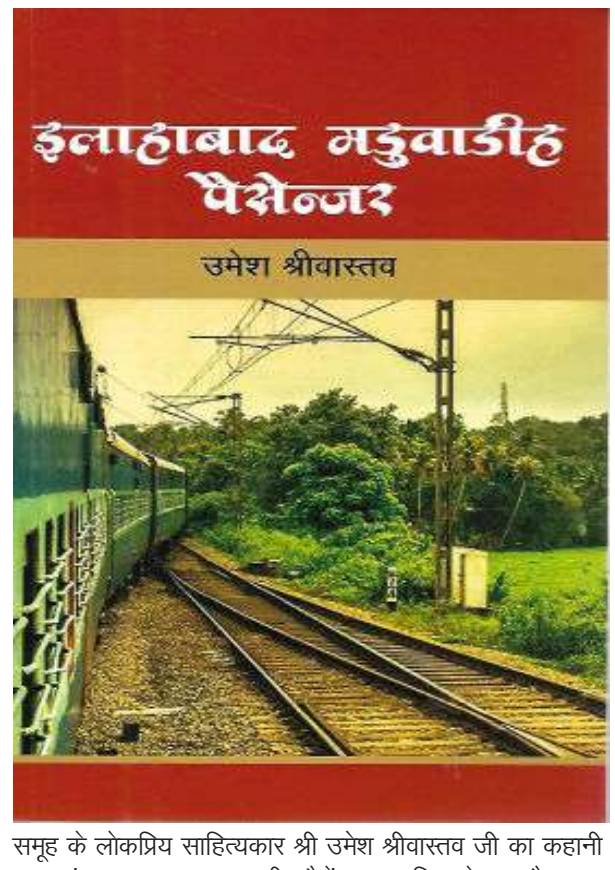

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

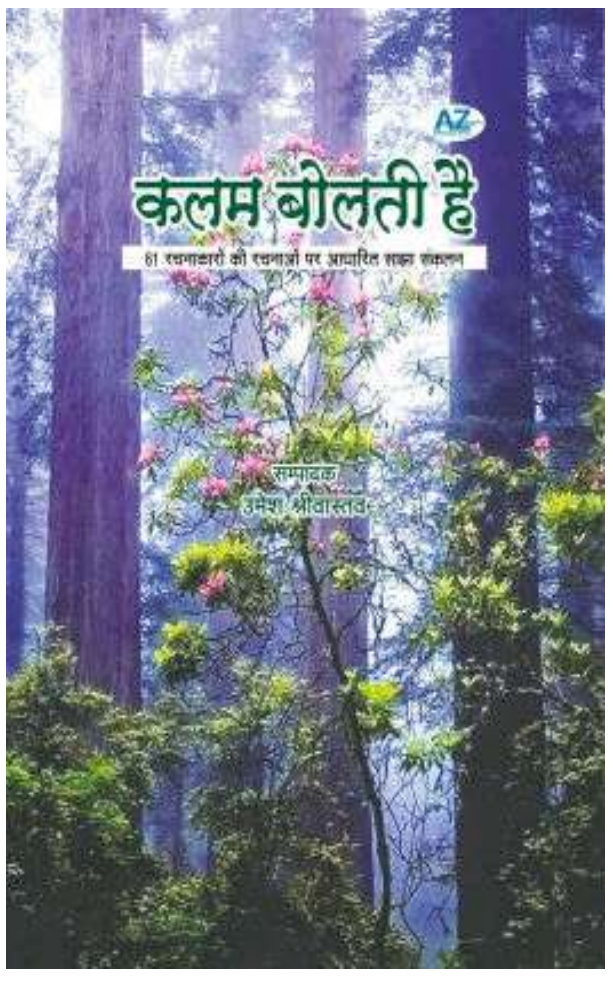

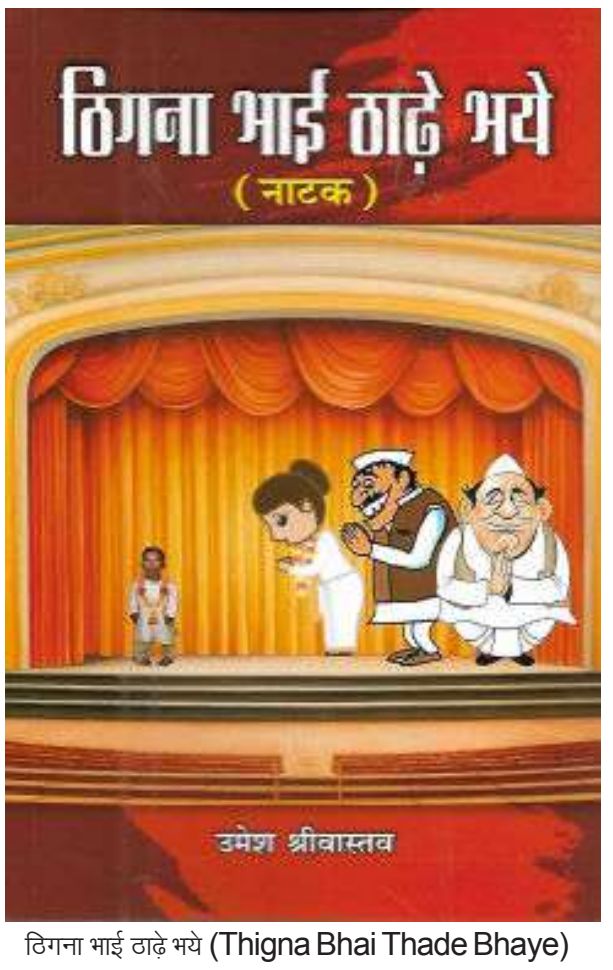

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

श्रीलंका में भारत के 'मोबाइल' अस्पताल ने चक्रवात प्रभावित 2,200 से अधिक लोगों का इलाज किया

श्रीलंका में भारत की ओर से स्थापित मोबाइल अस्पताल ने चक्रवात 'दित्वा' से प्रभावित 2,200 से अधिक लोगों को चिकित्सा देखभाल प्रदान की। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने रविवार को यह जानकारी दी। उच्चायोग ने बताया कि भारत ने चक्रवात 'दित्वा' के कारण आई बाढ़ से तबाह हुए श्रीलंका को इंजीनियरिंग सहायता और ताजा राहत खेपों की आपूर्ति के साथ अपनी सहायता बढ़ा दी है। श्रीलंका में चक्रवात के कारण आई भीषण बाढ़, भूस्खलन के कारण बुनियादी ढांचे को गंभीर

क्षति पहुंची है, जिससे कई जिले अलग–थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा–प्रतिक्रिया क्षमता पर गंभीर दबाव पड़ा है। चक्रवात 'दित्वा' के कारण देश में 16 नवंबर से अब तक कम से कम 627 लोग मारे गए हैं और 190 लोग लापता हैं। विदेश मंत्रालय के एक सोशल मीडिया पोस्ट को अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा करते हुए भारतीय उच्चायोग ने कहा कि कैंडी के पास महियांगनया में भारत की ओर से स्थापित एक 'फील्ड' अस्पताल ने पांच दिसंबर से चक्रवात से प्रभावित 2,200 से अधिक लोगों को चिकित्सा देखभाल प्रदान की है। बताया जाता है कि अस्पताल ने 67 छोटी शल्य क्रियाएं और तीन सर्जरी भी कीं। 'फील्ड' अस्पताल को मंगलवार को 78 सदस्यीय भारतीय चिकित्सा दल के साथ भारतीय वायुसेना के सी–17 विमान से श्रीलंका ले जाया गया। एक अन्य पोस्ट में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंकाई सेना के इंजीनियरों और सड़क विकास प्राधिकरण के साथ मिलकर काम कर रहे भारतीय सेना के इंजीनियरों ने किलिनोच्ची में परांथान–कराच्ची–मुल्लातिवु (ए35) सड़क पर क्षतिग्रस्त पुल को हटाना शुरू कर दिया है, जो चक्रवात के कारण बाधित एक प्रमुख मार्ग है।

घर में आग लगने से गंभीर रूप से घायल हुए दूसरे भारतीय नागरिक की मौत

अमेरिका के अल्बनी में एक घर में आग लगने की घटना में गंभीर रूप से घायल हुए दूसरे भारतीय नागरिक की भी मौत हो गई है। न्यूयॉर्क में स्थानीय अधिकारियों और भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी। सहज रेड्डी उडुमला की मौत के एक दिन बाद, शनिवार को अन्वेश सरापेल्ली ने भी दम तोड़ दिया। दोनों इसी घटना में गंभीर रूप से झुलस गए थे। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''हमें भारतीय नागरिक अन्वेश सरापेल्ली के असामयिक निधन पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बनी में एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।'' उडुमला और सरापेल्ली उन चार लोगों में शामिल थे, जिन्हें चार दिसंबर को पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम क्वेल स्ट्रीट के पास आग की चपेट में आए एक मकान के अंदर पाया था।

हमास अपने हथियारों को 'जमा करने' के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए तैयार : समूह

हमास के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने रविवार को कहा कि चरमपंथी समूह इजराइल के साथ युद्ध–विराम समझौते के तहत अपने हथियारों को "जमा करने या उनका भंडारण करने" के प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है। यह कदम अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते में शामिल सबसे जटिल मुद्दों में से एक को हल करने की दिशा में मददगार साबित हो सकता है। हमास के निर्णय लेने वाले राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासेम नईम ने यह बात ऐसे समय कही है, जब दोनों पक्ष समझौते के दूसरे और अधिक जटिल चरण में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे हैं। नईम ने कतर की राजधानी दोहा में समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' से बातचीत में कहा, "हम तनाव को फिर से बढ़ने से रोकने के लिए या किसी भी झड़प या विस्फोट से बचने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए तैयार हैं।

ट्रंप के पीस प्लान को थाइलैंड–कंबोडिया ने धुएं में उड़ाया, फिर शुरू हुई दोनों के बीच भीषण जंग

ट्रंप के पीस प्लान को एक बार फिर झटका लगा है। थाईलैंड कंबोडिया के बीच भीषण जंग हो गई है। थाईलैंड ने कंबोडिया में एयर स्ट्राइक कर दी है। कंबोडिया का भी थाईलैंड पर पलटवार देखने को मिला है। कंबोडिया की सेना ने ग्रेनेड हमला किया है। थाईलैंड कंबोडिया के बीच 45 दिन पहले सीजफायर हुआ था। सीज फायर और अब इसका उल्लंघन हो चुका है। यह सीज फायर नहीं बचा और ट्रंप का जो प्लान था वो विफल हो गया है। फेल हो गया है। कंबोडिया में स्कूल के पास थाईलैंड का हमला देखने को मिला। यहां ओडार मीनशे इलाके में थाईलैंड की बमबारी जारी है। हमले के बाद स्कूल में अफरातफरी का माहौल देखने को मिला। स्कूली स्टूडेंट बच्चे इधर–उधर भागते हुए दिखे। स्कूल से सुरक्षित स्थान पर बच्चे भागते हुए नजर आए। कंबोडिया में सैन्य पोस्ट पर थाईलैंड की एयर स्ट्राइक हुई है। थ16 विमान से कंबोडियाई सेना के ठिकाने पर हमला कर दिया गया। अनुपोंग ऑपरेशन बेस पर सटीक बमबारी की गई है। वहीं थाईलैंड और कंबोडिया के बीच विध्वंसक युद्ध की शुरुआत एक बार फिर से हो गई है। बॉर्डर पर दोनों तरफ से अंधाधुंध फायरिंग चल रही है। कंबोडिया के हमले में दो थाई सैनिकों की मौत हो गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

600 ड्रोन, 51 मिसाइलें...पुतिन के भारत से लौटते ही रूस ने यूक्रेन पर कर दिया भीषण अटैक, बंकर में छिपे जेलेंस्की!

रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर भीषण अटैक किया है। रूसी सेना ने शक्तिशाली मिसाइलों और विस्फोटकों से लदे ड्रोन से यूक्रेन पर बड़ा हमला किया। रूस के ऐसे बड़े ऑपरेशन से यूक्रेन में भारी तबाही मची है। जिससे यूक्रेन के कई शहर दहल उठे। इस हमले के बाद यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूस ने पूरे देश में 51 मिसाइलें और 653 ड्रोन दागे। उसने यह दावा भी किया कि इनमें से बहुत सी मिसाइलें यूक्रेन की रिहाइशी इलाकों के आसपास गिरी हैं। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि रूस के ऐसे हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया गया और उनके 585 ड्रोन और 30 मिसाइलों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया। हालांकि उसने माना कि 29 जगहों पर यह गिरने में सफल भी रहे। पुतिन ने इतने तीखे हमले यूक्रेन पर शुरू कर दिए हैं जिससे जेलस्की के होश उड़ गए हैं। रूस के खूनी हमलों में अचानक कई गुना की बढ़ोतरी हो गई है। जिसकी वजह से यूक्रेनी सेना बुरी तरह से तबाह हुई है। दावा किया जा रहा है कि यूक्रेन को रूस पर आधी रात में 116 हमले करना बेहद भारी पड़ गया। दावा यह भी कि रूस ने पूर्वी यूक्रेन दक्षिण पूर्वी यूक्रेन के लगभग नौ शहरों पर हमला किया है। दावा किया जा रहा है कि रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों से यूक्रेन की राजधानी क्यू में भारी तबाही मची है। सके अलावा सैन्य अड्डे पर मौजूद हजारों टन गोला बारूद भी भस्म हो गया। यूक्रेन का दावा है कि उसने क्राइमिया में मौजूद रूस के सैन्य अड्डे पर कम से कम आठ ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया। यूक्रेन का दावा है कि एसयू–24 सामरिक बम वर्षक विमान एक रेडोम एक 39 एन6 कास्ता 2म2 रडार समूह एक ओरियन मानव रहित हवाई वाहन दो 48 वाई6ा1 वुड लॉर्ड रडार सिस्टम एक मालगाड़ी और एक यरॉल ट्रक को भी ड्रोन हमलों से यूक्रेन ने तबाह कर दिया है। चेचन्या के नेता रमजान कादिरो के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन ने ग्रोसनी में एक ऊंची इमारत को नुकसान पहुंचाया। इधर की पर रूसी हमलों से कोहराम मचा हुआ है। कीव में हुआ ब्लैक आउट। जेलेंस्की बंकर में घुस गए हैं। पिछले 24 घंटे में रूसी हमलों का वो सच दिखाने जा रहे हैं जिससे साबित हो रहा है कि रूस शांति समझौते से पहले ज्यादा से ज्यादा पूर्वी यूक्रेन के इलाकों पर कब्जा करना चाहता है। कीव के पास फ़स्टिव में ट्रेन स्टेशन को तबाह कर दिया। इस बीच रूस ने भी दावा किया है कि उसने रात में करीब जो है 116 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। यूक्रेनी सेना और रूसी क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार रूस में रियाजान ऑयल रिफाइनरी पर हमला किया गया। हालांकि मॉस्को ने सीधे तौर पर रिफाइनरी में नुकसान की बात स्वीकार नहीं की है। यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूसी रिफाइनरियों पर लंबी दूरी के ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। जिसका मकसद मॉस्को की तेल निर्यात से होने वाली कमाई में कटौती करना है। कीव और पश्चिमी सहयोगी रूस पर लगातार चौथे साल यूक्रेन के हीटिंग पानी और बिजली सिस्टम पर लगातार हमला करके जो है उसकी सर्दियों में जो है कहीं ना कहीं बाधा बनने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिकी सांसदों ने जारी किया वार्षिक रक्षा नीति विधेयक, क्वाड के जरिये भारत के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ सहयोग को व्यापक बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें क्वाड के जरिये सहयोग बढ़ाने की बात भी कही गई है, ताकि एक स्वतंत्र और खुला हिंद–प्रशांत क्षेत्र बनाए रखा जा सके और चीन की चुनौती का सामना किया जा सके।

सांसदों ने रविवार को 2026 के वित्तीय वर्ष के लिए श्नेशनल डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्टश विधेयक जारी किया। इसमें हिंद–प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों के बारे में कांग्रेस की राय बताई गई है। इसमें कहा गया है कि रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का श्तुलनात्मक लाभश बढ़ाया जा सके। इन प्रयासों में भारत के साथ क्वाड के जरिये अमेरिकी सहयोग का विस्तार शामिल है। इसमें द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग, सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार और मानवीय सहायता तथा आपदा प्रतिक्रिया में सहयोग शामिल हैं, ताकि एक स्वतंत्र और खुला हिंद–प्रशांत क्षेत्र बनाए रखा जा सके। इसके अलावा, इसमें भारत के साथ समुद्री सुरक्षा पर अधिक सहयोग की संभावना पर जोर दिया गया है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन के आक्रामक व्यवहार का सामना करने के लिए 2017 में यह समूह बनाया गया था। रक्षा नीति विधेयक में यह भी कहा गया है कि रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ तालमेल बनाकर एक योजना बनानी चाहिए और चलानी चाहिए, ताकि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की रक्षा औद्योगिक क्षमताओं के बीच सहयोग मजबूत हो सके। यह पहल सभी देशों के रक्षा उद्योगों को मजबूत करेगी। इसमें उनकी क्षमता बढ़ाना, उत्पादन और कर्मचारियों को बढ़ाना, आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना, विभिन्न देशों की प्रणालियों को एक–दूसरे के साथ काम करने योग्य बनाना और देशों के बीच तालमेल बढ़ाना शामिल है।

प्रवासियों को 'ICE' के आदेशों का पालन नहीं करने का अधिकार है : ममदानी

न्यूयॉर्क शहर के नव–निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इनकार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट द्वारा मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है। ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का

संकल्प लेते हुए कहा, ''यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था। ममदानी ने कहा, ''आईसीई को आपसे झूठ बोलने की कानूनी अनुमति है लेकिन आपको चुप रहने का अधिकार है। उन्होंने आश्वासन दिया कि न्यूयार्क हमेशा प्रवासियों का स्वागत करेगा और उनके अधिकारों की रक्षा करेगा।

उषा को वापस भेजो, जेडी वेंस के प्रवासन वाले बयान पर सोशल मीडिया पर किया गया ट्रोल

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने एक बार फिर राजनीतिक बहस में उलझते हुए घोषणा की है कि बड़े पैमाने पर प्रवासन अमेरिकी सपने की चोरी है। यह बात इंटरनेट पर तुरंत चर्चा का विषय बन गई, पाखंड के आरोप लगने लगे और नाश्ते से पहले हजारों मीम्स जारी हो गए। वेंस ने इस सप्ताह यह घोषणा करके राजनीतिक खलबली मचा दी कि सामूहिक प्रवासन अमेरिकी सपने की चोरी है, जिसे आलोचकों ने तुरंत पाखंडी करार दिया क्योंकि उनकी पत्नी उषा, भारतीय प्रवासियों की अमेरिकी मूल की बेटी हैं। वेंस ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा किया था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि आप्रवासी अमेरिकी श्रमिकों के अवसरों को छीन रहे हैं, तथा आरोप लगाया था कि जो भी अध्ययन इसके विपरीत कहते हैं, वे पुरानी व्यवस्था से अमीर बन रहे लोगों द्वारा वित्तपोषित हैं। एक यूजर ने तुरंत जवाब दिया इसका मतलब है कि आपको उषा, उसके भारतीय परिवार और अपने द्विजातीय बच्चों को वापस भारत भेजना होगा। हवाई जहाज़ के टिकट खरीदते समय हमें बताएँ। आपको खुद उदाहरण पेश करना होगा। इस बीच, व्यापक आव्रजन प्रतिबंध जारी है। ट्रम्प प्रशासन ने 19 ष्उच्च–जोखिमष् वाले देशों से आने वाले आव्रजन आवेदनों

पर व्यापक रोक लगा दी है, जिससे लाखों लोगों के ग्रीन कार्ड, शरण के दावे और नागरिकता के अनुरोध रुक गए हैं। यूएससीआईएस का कहना है कि यह कदम वाशिंगटन डीसी में एक अफ़ग़ान शरणार्थी द्वारा नेशनल गार्ड के एक सदस्य की गोली मारकर हत्या के बाद सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है, जबकि अप्रवासी परिवारों का तर्क है कि यह सामूहिक दंड के समान है, जिसे नीतिगत रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है।

अग्निकांड को लेकर लोगों में गुस्से के बावजूद हांगकांग में मतदान दर बढ़ी

चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग में 2021 में व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करके लोकतंत्र समर्थक विपक्ष को खत्म किए जाने के बाद दूसरी बार हो रहे आम चुनाव के लिए लगभग एक तिहाई पंजीकृत मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान दर 31.9 प्रतिशत दर्ज की गई जो 2021 के चुनाव में करीब 30.2 प्रतिशत थी। यह चुनावी बदलाव होने से पहले की तुलना में काफी

कम मतदान है। इससे पहले मतदान 50 प्रतिशत से ऊपर रहा था। लगभग दो सप्ताह पहले एक अपार्टमेंट में आग लगने से 159 लोगों की मौत के बाद हुए ये चुनाव इस त्रासदी से निपटने को लेकर सरकार के बारे में जनता की राय भांपने का जरिया माना जा रहा है। शहर के 41 लाख पात्र मतदाताओं में से विशेष रूप से लोकतंत्र समर्थक लोगों ने 2019 में विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए दमन के पश्चात राजनीति से दूरी बना ली है। इस चुनाव में उम्मीदवारों का चीन के प्रति निष्ठावान होना आवश्यक है। सरकार का कहना है कि 2019 में बड़े पैमाने पर हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद स्थिरता लाने के लिए ये बदलाव जरूरी थे। इस बार मतदान प्रतिशत पर सबकी नजरें थी जो 2021 में हुए पिछले चुनाव में 30 प्रतिशत तक गिर गया था। शहर के मुख्य कार्यकारी जॉन ली ने शुक्रवार को लोगों से मतदान करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि वह नयी 'लेजिस्लेटिव काउंसिल' में एक प्रस्ताव पेश करेंगे, जिसमें यह बताया जाएगा कि आग से प्रभावित पीड़ितों की कैसे सहायता की जा सकती है। वर्ष 2021 में हुए परिवर्तनों से पहले भी 70 सदस्यीय 'लेजिस्लेटिव काउंसिल' में से केवल आधे सदस्यों को सामान्य मतदाता चुनते थे। अब सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 90 कर दी गई है, जिनमें से 20 सदस्यों को मतदाता चुनते हैं जबकि 40 का चुनाव चीन समर्थक चुनाव समिति करती है। शेष 30 सदस्य विभिन्न समूहों जैसे वित्त, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट से चुने जाते हैं।

ट्रंप से न हो पाएगा... पुतिन के बाद अब मोदी के पास आएंगे जेलेंस्की

5 दिसंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा समाप्त होने के साथ ही, नई दिल्ली कूटनीतिक संतुलन बनाते हुए अगले कदमों की तैयारी कर रही है : इंडियन एक्सप्रेस को पता चला है कि आने वाले महीनों में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा की योजना बनाने की तैयारी चल रही है। यह यात्रा जनवरी 2026 की शुरुआत में हो सकती है। ज़ेलेंस्की की यात्रा, पिछले साल अपनाए गए उसी सुविचारित दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, रूस–यूक्रेन युद्ध के दोनों पक्षों के साथ जुड़े रहने के भारत के प्रयासों को और मज़बूत करेगी। जुलाई 2024 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मास्को गए और पुतिन से मिले; एक महीने बाद, अगस्त में, उन्होंने यूक्रेन का दौरा किया। सूत्रों ने बताया कि भारतीय और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच कई हफ़्तों से बातचीत चल रही है, और पुतिन के भारत आने से पहले ही नई दिल्ली ज़ेलेंस्की के कार्यालय के संपर्क में थी। प्रस्तावित यात्रा का समय और दायरा कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की शांति योजना का स्वरूप और युद्ध के मैदान में होने वाले घटनाक्रम शामिल हैं। यूक्रेन की घरेलू राजनीति, जहाँ ज़ेलेंस्की की सरकार वर्तमान में एक व्यापक भ्रष्टाचार घोटाले में उलझी हुई है और दबाव में है, भी परिणाम को प्रभावित कर सकती है। पुतिन की यात्रा पर यूरोप की कड़ी नज़र रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।